E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 168 प्रयागराज, बुधवार 21 अक्टूबर, 2026 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प मिडटर्म चुनाव हार सकते हैं,उन्हीं की पार्टी के उम्मीदवार दूरी बना रहे,महंगाई और ईरान जंग से लोकप्रियता घटी

वॉशिंगटन। अमेरिका में 3 नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनाव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पार्टी के लिए मुश्किल खड़ी कर सकते हैं। महंगाई, ईरान के साथ जंग और ट्रम्प की घटती लोकप्रियता के बीच रिपब्लिकन पार्टी के लिए कांग्रेस में अपना बहुमत बचाना चुनौती बन गया है। 10 प्रमुख जनमत सर्वेक्षणों में से सिर्फ 1 में रिपब्लिकन पार्टी आगे है। मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति नहीं चुना जाता। इसमें अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के दोनों सदनों- हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट की सीटों के लिए वोटिंग होती है। फिलहाल दोनों सदनों में रिपब्लिकन पार्टी को मामूली बहुमत है। अगर डेमोक्रेट्स जरूरी सीटें जीत लेते हैं, तो वे एक या दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर सकते हैं। इससे ट्रम्प के लिए अपने एजेंडे को लागू करना मुश्किल हो सकता है। 1. ट्रम्प की लोकप्रियता में गिरावट, 30फीसदी तक रेटिंग

पहुंची:-अमेरिका में ट्रम्प के कामकाज से खुश लोगों की संख्या घट रही है। अलग-अलग सर्वे में सिर्फ 30 से 36फीसदी लोग ही उनके काम से खुश हैं। एनसीबी न्यूज के सर्वे में 34फीसदी लोगों ने ट्रम्प के कामकाज को सही बताया। वॉशिंगटन पोस्ट-एसीबी न्यूज के सर्वे में 33फीसदी और फॉक्स न्यूज के सर्वे में 36फीसदी लोगों ने उनका समर्थन किया। प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे में ट्रम्प को सबसे कम, यानी 30फीसदी लोगों का समर्थन मिला। ये ट्रम्प के पहले कार्यकाल से भी कम हैं। पहले कार्यकाल में ट्रम्प की अप्रूवल रेटिंग सबसे कम जनवरी 2021 में संसद में दंगाईयों के घुसने वाली घटना के बाद हुई थी। तब उनकी रेटिंग 34फीसदी पहुंच गई थी। 2. अमेरिकी जनता महंगाई से परेशान:- 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प ने वादा किया था कि वे महंगाई कम करेंगे और लोगों का खर्च घटाएंगे। लेकिन अब बढ़ती कीमतें उनकी पार्टी के लिए परेशानी बन रही हैं।अमेरिका में अंडे, दूध, ब्रेड, मांस और सब्जियां जैसी बुनियादी चीजों के दाम 20फीसदी से 30फीसदी तक महंगे हो चुके हैं। घर का किराया औसतन 1.60 लाख रुपए पहुंच गया है जो अब तक सबसे ऊंचा स्तर है। तेल-गैस की कीमतों में करीब 20फीसदी का इजाफा हुआ है। हालांकि लोगों की तनख्वाह में थोड़ी बढ़ोतरी हुई है, आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

ट्रम्प बोले- पेरिस जल्द मुस्लिम कंट्री बन जाएगा,मैक्रों को 8 साल पहले समझाया था

फ्रांस में हिंसा के लिए इमिग्रेशन नीति को जिम्मेदार ठहराया

पेरिस। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा कि पेरिस जल्द मुस्लिम शहर बन जाएगा। उन्होंने फ्रांस में जारी हिंसा के लिए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की इमिग्रेशन नीति को जिम्मेदार ठहराया। ट्रम्प लंबे समय से इमिग्रेशन पर सख्ती करने की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि फ्रांस सरकार ने दूसरे देशों से आने वाले लोगों पर रोक लगाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए। ट्रम्प ने दावा किया कि उन्होंने करीब 8 साल पहले मैक्रों को चेतावनी दी थी कि दूसरे देशों से आने वाले लोगों को इतनी बड़ी संख्या में फ्रांस में आने देना बड़ी गलती है। फ्रांस के कई शहरों में 17 अक्टूबर को प्रदर्शन के दौरान हिंसक झड़पें हुई। इन घटनाओं में सरकारी इमारतों में आग लगाने, दुकानों में लूटपाट करने और ऐतिहासिक इमारतों को निशाना बनाने जैसी घटनाएं

सामने आई हैं। फ्रांस की पुलिस ने 2400 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं, हिंसा रोकने की कोशिश में करीब 1000 पुलिसकर्मी और सैना के जवान घायल हुए हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने सोमवार को सरकार की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। उन्होंने सोमवार शाम से पेरिस, लिली, नीस समेत कई शहरों में कर्फ्यू लगाने को कहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश में आपातकाल भी लगाया जा सकता है। एक्सपर्ट- हिंसा के पीछे सिर्फ इमिग्रेशन को वजह मानना सही नहीं:-ट्रम्प ने फ्रांस में हो रही हिंसा को दूसरे देशों से लोगों को आने देने की नीति से जोड़ा है। हालांकि, एक्सपर्ट्स के मुताबिक फ्रांस के हालात के पीछे महंगाई, रोजमर्रा की चीजों के बढ़ते दाम, आर्थिक परेशानियां, सरकारी सुविधाओं पर बढ़ता दबाव और युवाओं की नाराजगी जैसे मुद्दे भी हैं।

फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिणपंथी नेता और कुछ टिप्पणीकार इमिग्रेशन पर सख्ती करने की मांग कर रहे हैं। आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

अगले 5 साल में जंग छिड़ सकती है वो भी अंतरिक्ष में,इससे इंटरनेट, बैंकिंग जैसी सुविधा पर असर पड़ेगा

वॉशिंगटन। आने वाले 5 साल में अंतरिक्ष में जंग छिड़

सकती है। विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और चीन जैसे देश एक-दूसरे की सैटेलाइट को निशाना बना सकते हैं। इंटरनेट, टीवी, मौसम की जानकारी और बैंकिंग जैसी कई सेवाएं सैटेलाइट पर निर्भर हैं। अगर युद्ध के दौरान सैटेलाइट को नुकसान पहुंचा, तो इन सेवाओं पर असर पड़ सकता है। विमानों और जहाजों को रास्ता पता करने में भी परेशानी हो सकती है। चीन के 5 सैटेलाइट ने एक साथ अभ्यास किया:-अमेरिकी स्पेस फोर्स के मुताबिक, चीन के 5 सैटेलाइट अंतरिक्ष में एक-दूसरे के करीब आए और ऐसी गतिविधियां कीं, जिनका इस्तेमाल जंग में हो सकता है। चीन ऐसी मशीनें बना रहा है, जो अंतरिक्ष में दूसरे सैटेलाइट को पकड़ सकती हैं या उन्हें उनकी जगह से हटा सकती हैं। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस के सैन्य सैटेलाइट भी दूसरे देशों के सैटेलाइट के करीब पहुंचकर उनकी निगरानी कर रहे हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को यह आशंका भी है कि रूस के कॉसमॉस-2553 सैटेलाइट में परमाणु हथियार से जुड़े उपकरणों के कुछ हिस्से भेजे गए थे। ब्रिटेन ने अंतरिक्ष की सुरक्षा के लिए यूनिट बनाई:- ब्रिटेन की वायुसेना ने सितंबर में अपने सैटेलाइट की सुरक्षा के लिए एक यूनिट बनाई है।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

नेपाल 4 झीलों का जलस्तर घटाएगा जिससे भारत में भी बाढ़ का खतरा कम होगा

काठमांडू। नेपाल अगस्त में भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ जैसी तबाही रोकने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए चार ग्लेशियरों से बनने वाली झीलों का जलस्तर घटाया जाएगा। इससे नेपाल के साथ भारत में भी बाढ़ का खतरा कम होने की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट पर 474 करोड़ रुपए खर्च होंगे और इसे 2033 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इन झीलों से बिहार में बाढ़ का खतरा बना रहता है:-नेपाल सरकार ने इस काम के लिए मनांग जिले की थुलागी, संखुवासभा की लोअर वरुण और होंगु-2 के साथ सोलुखुम्बु की लुम्दिंग झील को चुना है। ये झीलें समुद्र तल से 4050 से 5483 मीटर की ऊंचाई पर हैं। योजना के तहत होंगु-2 झील का जलस्तर एक मीटर घटाया जाएगा। वहीं, थुलागी, लोअर वरुण और लुम्दिंग झीलों का जलस्तर तीन-तीन मीटर कम किया जाएगा। इनमें से तीन झीलों का पानी कोशी नदी और गंडकी नदी में पहुंचता है। ये दोनों नदियां बिहार से होकर गुजरती हैं। इसलिए इस योजना से बिहार की बस्तियों, खेती और सड़कों समेत जरूरी सुविधाओं को भी बाढ़ से बचाने में मदद मिल सकती है। झीलों का जलस्तर कैसे कम किया जाएगा? झीलों के किनारे पानी बाहर निकालने के लिए नहरें बनाई जाएंगी। इनमें गेट लगाए जाएंगे, ताकि पानी का बहाव कंट्रोल किया जा सके। पानी को धीरे-धीरे नदियों में छोड़ा जाएगा। इस काम में विस्फोटकों का इस्तेमाल नहीं होगा। मजदूरों की मदद और तकनीकी तरीकों से निर्माण किया जाएगा, ताकि काम के दौरान कोई नया खतरा पैदा न हो। डॉ. भट्टराई के मुताबिक, लगातार काम करने का मौका मिले तो तीन साल में झीलों का जलस्तर घटाया जा सकता है। लेकिन ये झीलें ऊंचाई वाले इलाकों में हैं, जहां खराब मौसम के कारण साल में केवल 5 से 6 महीने ही काम हो सकता है। इसी वजह से प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए 2033 तक का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस योजना से खतरा पूरी तरह खत्म नहीं होगा। हालांकि, इन चार झीलों के फटने पर सबसे ज्यादा नुकसान होने की आशंका है। इसलिए इन्हें प्राथमिकता दी गई है। भारत, नेपाल और चीन की 47 झीलों से खतरा:-अगस्त में नेपाल की भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ ने हिमालयी इलाकों में ग्लेशियर से बनी झीलों से होने वाले खतरे को फिर सामने ला दिया था। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट की 2020 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत, नेपाल और चीन की 47 हिमनद झीलों को ज्यादा खतरे वाला बताया गया था। इनमें नेपाल की 21, चीन की 25 और भारत की एक झील शामिल है। इनमें से 42 झीलों का पानी कोशी नदी में पहुंचता है। इनमें 24 झीलें चीन और 18 नेपाल में हैं। कोशी नदी नेपाल से भारत के बिहार में आती है, इसलिए इन झीलों के फटने से दोनों देशों में बाढ़ का खतरा पैदा हो सकता है। इस प्रोजेक्ट के लिए ग्रीन क्लाइमेट फंड रु343 करोड़ देगा:- चारों झीलों का जलस्तर घटाने की परियोजना पर कुल 474 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसमें सबसे ज्यादा 343 करोड़ रुपए ग्रीन क्लाइमेट फंड देगा। यह संयुक्त राष्ट्र के जलवायु समझौते के तहत बना अंतरराष्ट्रीय कोष है।

मस्जिद में अश्लील हरकत करने पर पति-पत्नी को मौत की सजा मिली थी, बांग्लादेश बोला-सऊदी ने बिना बताए हमारे नागरिकों को फांसी दें दीं

ढाका। सऊदी अरब ने मक्का में पिछले बुधवार एक बांग्लादेशी पति-पत्नी को फांसी

दे दी। दोनों को एक मस्जिद के अंदर अश्लील हरकत करने के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई थी। बांग्लादेश सरकार ने रविवार को कहा है कि उसे सजा होने से पहले इसकी जानकारी नहीं दी गई। उन्हें इस मामले का पता फांसी दिए जाने के बाद चला। द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब में बांग्लादेश के दूतावास ने जेलों में बंद बांग्लादेशी नागरिकों की सूची मांगी थी। सऊदी सरकार ने जो सूची भेजी, उसमें इस पति-पत्नी के नाम भी शामिल थे। हालांकि, सूची में यह जानकारी नहीं थी कि दोनों को मौत की सजा सुनाई गई है। बांग्लादेश की विदेश मामलों की राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने कहा कि उनकी सरकार ने मामले की ज्यादा जानकारी लेने के लिए सऊदी अरब से संपर्क किया है। सऊदी सरकार का जवाब मिलने के बाद ही बांग्लादेश तय करेगा कि आगे क्या कदम उठाए जाएं। सऊदी सरकार ने कहा- मस्जिद की पवित्रता का उल्लंघन किया:-आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

इटली में बढ़ी हिंसा के बीच भारतीयों के लिए एडवाइजरी,पीएम मेलोनी ने इमरजेंसी बैठक बुलाई, भीड़भाड़ वाली जगहों से दूर रहने की सलाह

रोम। इटली में बढ़ती महंगाई के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों के हिंसक होने के बाद भारतीय दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय

नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने सोमवार को भारतीयों से भीड़भाड़ वाली जगहों और प्रदर्शन वाले इलाकों से दूर रहने और स्थानीय खबरों पर नजर रखने को कहा है। इस बीच, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने हिंसा की घटनाओं के बाद सोमवार को इमरजेंसी सिक्योरिटी बैठक बुलाई है। भारतीय दूतावास ने आपात स्थिति में मदद के लिए रोम और मिलान स्थित अपने कार्यालयों के नंबर जारी किए हैं। रोम स्थित भारतीय दूतावासः +39 331 614 2085 मिलान स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावासः +39 3881647527, मिलान में पुलिस से भिड़े प्रदर्शनकारी, दुकानों में लूटपाट:-इटली के कई शहरों में रविवार को बढ़ती महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन हुए। शुरुआत में शांतिपूर्ण रहे इन प्रदर्शनों के दौरान मिलान में हिंसा भड़क गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर, कूड़ेदान और कुर्सियां फेंकीं। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। वीकेंड पर मिलान में 5,000 से ज्यादा लोग जुटे थे। हिंसा के दौरान दुकानों में लूटपाट की गई और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया। इटली की न्यूज एजेंसी अंसा के मुताबिक, पुलिस ने 200 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया। इनमें करीब 80फीसदी नाबालिग हैं। झड़पों में पुलिसकर्मियों और अन्य लोगों के घायल होने की भी खबर है। ट्यूरिन में पत्थर और हथौड़े लेकर घूम रहे लोग पकड़े गए:-हिंसा का असर इटली के दूसरे शहरों में भी देखने को मिला। मेलोनी के मुताबिक, ट्यूरिन में कुछ लोगों को पत्थर और शीशे तोड़ने वाले हथौड़े लेकर जाते समय हिरासत में लिया गया। वहीं, बोलोन्या में गड़बड़ी की आशंका के चलते एक रेलवे स्टेशन को एहतियातन बंद कर दिया गया। मिलान के मेयर ग्यूसेपे साला ने कहा कि दुकानों के टूटे शीशे, लूटपाट और डरे हुए नागरिकों को देखकर चिंता होती है। उनके मुताबिक, ऐसी घटनाएं दुनिया के कई शहरों में देखने को मिल रही हैं। मेलोनी बोलीं- प्रदर्शन करना अधिकार, शहरों में आग लगाना नहीं:-प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने हिंसा की निंदा करते हुए कहा, 'प्रदर्शन करना अधिकार है, लेकिन हमारे शहरों को बर्बाद करना नहीं।' उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ उपद्रवियों ने प्रदर्शनों का फायदा उठाकर अराजकता फैलाने की कोशिश की। मेलोनी ने विपक्षी दलों से भी हिंसा की स्पष्ट रूप से निंदा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी तरह की अस्पष्टता नहीं होनी चाहिए, क्योंकि हिंसा की निंदा करने में हिचकिचाहट को उसका समर्थन समझा जा सकता है।

हूतीयों ने यमन के 53 सैनिकों को मारा,मिलिट्री कैंप पर 3 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया

सना। हूती विद्रोहियों ने यमन के दक्षिणी प्रांत शबवा में सेना के एक मिलिट्री कैंप पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला

किया है। सोमवार को हुए इस हमले में 53 सैनिकों की मौत हो गई, जबकि 200 से ज्यादा घायल हुए हैं। यमन के सैन्य अधिकारियों ने न्यूज एजेंसी एपी को यह जानकारी दी। सेना के प्रवक्ता कर्नल माजिद अल-नजिली ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने पुलिस और सुरक्षा बलों के ट्रेनिंग सेंटर पर तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इससे पहले पिछले हफ्ते हूती विद्रोहियों ने अदन शहर में राष्ट्रपति भवन पर 5 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। हमले के वक्त प्रधानमंत्री शाया मोहसेन अल-जिंदानी और सरकार के कई मंत्री परिसर में मौजूद थे, हालांकि सभी सुरक्षित बच गए। हमले में 4 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 2 सुरक्षाकर्मी शामिल थे। सऊदी अरब के हवाई हमले में 9 लोगों की मौतः-हूती प्रशासन के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, रविवार को यमन के उत्तरी प्रांत सादा में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के हवाई हमले में कम से कम 9 लोगों की मौत हुई। इनमें 5 बच्चे और 2 महिलाएं शामिल हैं। हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि सप्ताहांत में हुए कई हमलों में 30 से ज्यादा लोग मारे गए या घायल हुए। सऊदी अरब ने इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। हूती विद्रोहियों ने हाल के हफ्तों में सऊदी अरब पर भी हमले तेज किए हैं। वे यमन के गृहयुद्ध में सरकार का समर्थन करने के कारण सऊदी अरब को निशाना बना रहे हैं। विद्रोहियों ने सऊदी हवाई अड्डों, तेल और सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। इन हमलों से हजारों उड़ानें प्रभावित हुई हैं और 19 लोगों की मौत हुई है। सऊदी तेल कंपनी अरामको के मुख्यालय पर भी हमला किया गया है। सऊदी अरब के समर्थन से लड़ रही यमन की सरकार:-यमन में हूती विद्रोहियों और सरकार के बीच लंबे समय से संघर्ष चल रहा है। सऊदी अरब यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करता है। सऊदी हूतियों के खिलाफ लड़ रहे सरकारी सेनाओं को हवाई मदद देता है। वहीं, ईरान पर हूती विद्रोहियों को समर्थन देने के आरोप लगते रहे हैं।

तोड़फोड़ करने वालों को कीमत चुकानी होगी,कुछ शहरों में कर्फ्यू लगाने की तैयारी-फ्रांसीसी राष्ट्रपति, पीएम बोले- जरूरत पड़ी तो इमरजेंसी भी लगाएंगे

पेरिस। फ्रांस में 17 अक्टूबर को हुई हिंसा और लूटपाट को लेकर राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार को सख्त कार्रवाई का वादा किया। उन्होंने रविवार रात अपने संबोधन में कहा कि जिन लोगों ने तोड़फोड़ और लूटपाट की है, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने सोमवार को सरकार की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। इसके बाद उन्होंने सोमवार शाम से कुछ इलाकों में आंशिक कर्फ्यू लगाने को कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर

जरूरत पड़ी तो देश में आपातकाल भी लगाया जा सकता है। फ्रांस सरकार ने सोमवार को माना कि वह वीकेंड पर हुई हिंसा को रोकने में नाकाम रही। फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने सरकारी रेडियो पर अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि शनिवार रात हुए दंगों के बड़े पैमाने से निपटने के लिए पुलिस की तैयारी पर्याप्त नहीं थी। उन्होंने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को इस्तीफे की पेशकश भी की थी, लेकिन राष्ट्रपति ने इसे स्वीकार नहीं किया। न्याय मंत्री जेराल्ड दारमानिन ने भी माना कि हिंसा के सामने प्रशासन साफ तौर पर नाकाम रहा। उन्होंने फ्रांसीसी टीवी पर कहा कि खुफिया तंत्र भी हिंसा का पहले से सही अंदाजा लगाने में विफल रहा। 1500 दुकानों में लूटपाट, 1000 पुलिकर्मी घायलः-महंगाई और सरकारी सुविधाओं में कमी के खिलाफ शनिवार को 8 लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे थे। शुरुआत में हालात शांतिपूर्ण थे लेकिन बाद में काले कपड़े पहने और चेहरे ढके कुछ लोगों ने तोड़फोड़ और लूटपाट शुरू कर दी। अनुमान है कि करीब 1,500 दुकानों और कारोबारों में लूटपाट की गई या उन्हें नुकसान पहुंचाया गया। हालात संभालने के लिए पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी और भीड़ पर पानी की बौछारें कीं। गृह मंत्रालय के मुताबिक, शनिवार को करीब 1000 पुलिसकर्मी घायल हुए। इनमें सात की हालत गंभीर थी। गृह मंत्री नुनेज पर आरोप लग रहे हैं कि वे पहले से तय प्रदर्शनों के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं कर पाए। मैक्रों को देश का सबसे कमजोर राष्ट्रपति माना जा रहा:- फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अपने राजनीतिक करियर के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। उनके विरोधी उन्हें अब तक का सबसे कमजोर राष्ट्रपति करार दे रहे हैं। हाल ही में हुए एक सर्वे में सिर्फ 15फीसदी लोगों ने उनके प्रति सकारात्मक राय जताई, जबकि 82फीसदी लोगों ने उनके कामकाज पर नाराजगी जताई। महंगाई, कमजोर अर्थव्यवस्था, बढ़ता सरकारी कर्ज और शिक्षा व दूसरी सरकारी सेवाओं को लेकर लोगों का गुस्सा बढ़ रहा है। संसद तीन गुटों में बंटी, कोई भी फैसला लेना आसान नहीं:- फ्रांस की संसद तीन बड़े राजनीतिक गुटों में बंटी हुई है। इनके बीच इतने मतभेद हैं कि संसद का कामकाज प्रभावित हो रहा है। ऐसे माहौल में सरकार के लिए कोई बड़ा फैसला लेना आसान नहीं है। राष्ट्रपति मैक्रों का कार्यकाल खत्म होने वाला है। अप्रैल 2027 में राष्ट्रपति चुनाव होना है। ऐसे में देश में राजनीतिक खींचतान भी बढ़ गई है। राष्ट्रपति पद के लिए मुकाबले की तैयारी कर रहे नेताओं में दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन और वामपंथी नेता जीन-ल्यूक मेलांशों भी शामिल हैं। ले पेन प्रवासियों के खिलाफ सख्त रुख के लिए जानी जाती हैं, जबकि मेलांशों पूंजीवाद के विरोधी हैं। दोनों नेता मौजूदा हालात में अपनी बात लोगों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। फ्रांस पर कर्ज का दबाव भी बढ़ रहा:-फ्रांस की सरकार के सामने आर्थिक मुश्किलें भी हैं।

महानवमी के शुभ अवसर पर बस्तियों में कन्या पूजन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक

संघ सेवा विभाग प्रयाग नैनी भाग की ओर से महानवमी के शुभ अवसर पर औद्योगिक नगर सोमेश्वर नगर और राघवेंद्र नगर में कई स्थानो पर सेवा बस्तियों में कन्या पूजन किया गया। औद्योगिक नगर में 65, सोमेश्वर नगर में रोड में 51 व राघवेंद्र नगर छिवकी में 21 कन्याओं का पूजन किया गया। कन्याओं का पैर पखाड़ने के बाद सभी की आरती उतारी गई। उसके बाद प्रसाद ग्रहण कराने के बाद यथोचित उपहार प्रदान कर विदा किया गया। इस अवसर पर नैनी भाग सह संघचालक श्री दिनेश जी, नैनी जिला प्रचारक श्री मंगल जी ने कहा कि आज के इस पावन अवसर पर हम सब यहाँ एकत्र हुए हैं। जब हम कन्याओं की बात करते हैं, तो हमारे मन में केवल एक छोटी बच्ची का विचार नहीं आता, बल्कि सृजन, ऊर्जा और भविष्य की एक पूरी तस्वीर उभर कर सामने आती है। संस्कृत में एक प्रसिद्ध सूक्ति है:-'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।' अर्थात- जहाँ नारियों की पूजा होती है, वहाँ देवताओं का वास होता है। शक्ति का स्वरूप धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से कन्याओं को माता दुर्गा का ही साक्षात रूप माना गया है। नवरात्रि में हम जिन कन्याओं के पैर धोकर उन्हें पूजते हैं, वे ही हमारे समाज और परिवार की असली नींव हैं। इस अवसर पर भाग कार्यवाह राजेश जी नगर विस्तारक हरेंद्र जी नगर कार्यवाह विपिन जी निखिल जी भोला नाथ निषाद जी विस्तारक निशांत राघवेंद्र नगर कार्यवाह त्रिलोकी जी आदि उपस्थित थे।

श्रीराम की भक्ति से होता है आत्मबल मजबूत-मुकेश रस्तोगी, श्रीराम दरबार की शोभायात्रा ने दिया आस्था, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का संदेश

समाजसेवियों ने किया पूजन-अर्चन एवं स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को श्री रामलीला दुर्गा पूजा समिति, सूरजूपुर, रायबरेली के

तत्वावधान में विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी भगवान श्रीराम परिवार के दिव्य दरबार की भव्य झाँकी नगर भ्रमण के लिए निकाली गई। शोभायात्रा का नेतृत्व वरिष्ठ समाजसेवी डॉ0 अमिताभ पाण्डेय 'रिंकू' के नेतृत्व में किया गया। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं भक्तिभाव देखने को मिला। भगवान श्रीराम के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा तथा लोगों ने श्रद्धापूर्वक दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। उल्लेखनीय है कि सूरजूपुर स्थित भगवान वीर बजरंगबली का पावन दरबार स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ आसपास के जनपदों के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। मंदिर में प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को बड़ी संख्या में भक्त दर्शन-पूजन के लिए पहुँचते हैं। यह मंदिर क्षेत्र की धार्मिक आस्था, सामाजिक एकजुटता एवं सांस्कृतिक परम्पराओं का प्रतीक बन चुका है। इसी क्रम में नगर भ्रमण के दौरान निकली श्रीराम दरबार की झाँकी का स्थानीय दीवानी कचहरी के बाहर जनपद के वरिष्ठ व्यापारी नेता मुकेश रस्तोगी ने अपने सहयोगियों के साथ विधिवत पूजन-अर्चन कर स्वागत किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया तथा श्री रामलीला दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी डॉ0 अमिताभ पाण्डेय 'रिंकू' ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा, न्याय एवं लोककल्याण की प्रेरणा देता है। श्रीराम दरबार की शोभायात्रा

केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव, भाईचारे एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि श्री रामलीला दुर्गा पूजा समिति द्वारा निरन्तर धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से जनमानस को अपनी परम्पराओं से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। उन्होंने समिति के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं आदर्शों से परिचित कराते हैं। व्यापारी नेता मुकेश रस्तोगी ने कहा कि भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति, आदर्श जीवन, सामाजिक मर्यादा एवं जनसेवा के प्रतीक हैं। उनकी शिक्षाएँ आज भी समाज को सत्य, न्याय, कर्तव्य एवं परस्पर सम्मान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक शोभायात्राएँ समाज के विभिन्न वर्गों को एक सूत्र में बाँधने तथा आपसी सद्भाव और सामाजिक समरसता को मजबूत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। श्री रामलीला दुर्गा पूजा समिति, सूरजूपुर द्वारा श्रद्धा एवं परम्परा के अनुरूप आयोजित इस शोभायात्रा के लिए समिति के समस्त पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सहयोगी बधाई एवं धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने भगवान श्रीराम एवं वीर बजरंगबली से जनपदवासियों के सुख, समृद्धि, शान्ति और कल्याण की कामना करते हुए कहा कि धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता एवं जनसेवा की भावना को भी निरन्तर आगे बढ़ाना चाहिए। इस अवसर पर सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष पं0 शिवकुमार शुक्ला, ओ0पी0 यादव, राहुल शुक्ला, कमलेश चौधरी, पूर्व सभासद दिनेश पाल, रजत सोनी, गोविन्द सोनी, सुशील मौर्य, राजेन्द्र चौधरी, सोनू गांधी, प्रमोद कुमार मौर्य, सौरभ सिंह, अनुज बरवारी, विमलेश यादव, सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने भगवान श्रीराम के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा शोभायात्रा के आयोजन की सराहना की।

शारदीय नवरात्रि के अष्टम दिवस पर मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बाल विवाह एवं महिला-बालिका संबंधी अपराधों के प्रति जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रविवार को

जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के कुशल निर्देशन एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी के नेतृत्व में महिला कल्याण विभाग, रायबरेली द्वारा ग्राम पंचायत सचिवालय, सेहगो पश्चिम में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चाइल्ड हेल्पलाइन रायबरेली, थाना एएचटीयू (मानव तस्करी रोधी इकाई), थाना बछरावां की टीम एवं ग्राम प्रधान ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में ग्रामीणों, महिलाओं एवं बालिकाओं को बाल विवाह के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों, महिला-बालिका सुरक्षा, बाल अधिकारों तथा महिला कल्याण विभाग की योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही, हिंसा, उत्पीड़न, बाल श्रम एवं मानव तस्करी जैसी घटनाओं की सूचना संबंधित विभाग को देने की अपील की गई। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 एवं आपातकालीन सहायता नंबर 112 की जानकारी देते हुए जरूरतमंद बच्चों एवं महिलाओं को समय पर सहायता उपलब्ध कराने के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत में बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण, महिला सशक्तीकरण एवं बाल अधिकारों के संरक्षण हेतु जनसहभागिता की अपील की गई। इसके अतिरिक्त महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया।

महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं सहायता सेवाओं की जानकारी देते हुए बताया गया कि महिलाओं एवं बच्चों के साथ हिंसा, उत्पीड़न, शोषण, बाल श्रम, बाल तस्करी अथवा किसी अन्य प्रतिकूल परिस्थिति की जानकारी मिलने पर संबंधित विभाग को तत्काल सूचित करना चाहिए, ताकि समय रहते आवश्यक सहायता एवं संरक्षण उपलब्ध कराया जा सके।

नवनियुक्त महामहिम राज्यपाल केरल ओम प्रकाश माथुर जी ने श्रीमती सत्यवती मिश्रा को अर्पित की श्रद्धांजलि

शोक संतप्त परिवार को दी सांत्वना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सोमवार को भाजपा के

वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल श्रद्धेय कलराज मिश्रा की धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती सत्यवती मिश्रा के निधन के पश्चात आज नवनियुक्त महामहिम राज्यपाल केरल ओम प्रकाश माथुर नें उनके नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजली अर्पित की। तथा कलराज मिश्रा जी एवं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

उनके आवास पर क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, जिला महामंत्री अमित त्यागी, मनोज चौधरी, पद्मेश द्विवेदी भूपेश चौधरी, खुर्रम रिजवी, सहित काफी लोग उपस्थित रहे।

चंद घंटों में ट्रैक्टर चालक-मालिक गिरफ्तार, नायब तहसीलदार की गाड़ी में मारी थी टक्कर, घटना के तुरंत बाद हरकत में आई पुलिस

एसपी के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई कर दोनों आरोपियों को दबोचा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म.प्र/शहडोल। सोमवार को जिले के देवलोंद थाना क्षेत्र में नायब

तहसीलदार के शासकीय वाहन में टक्कर मारने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर चालक और वाहन मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के तुरंत बाद हरकत में आई पुलिस ने चंद घंटों के भीतर दोनों आरोपियों को पकड़कर मामले में कार्रवाई तेज कर दी। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देश पर देवलोंद पुलिस ने यह कार्रवाई की। रविवार को पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए बताया कि मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के तुरंत बाद पुलिस अधीक्षक ने मामले पर दो विशेष टीमों का गठन किया था जिनके द्वारा यह गिरफ्तारी की गई है। पुलिस के अनुसार, बुढ़वा वृत्त में पदस्थ नायब तहसीलदार अंकिता पांडेय अवैध रेत परिवहन के खिलाफ कार्रवाई कर रही थीं। इसी दौरान ग्राम समान में रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने का प्रयास किया गया। आरोप है कि चालक ने वाहन रोकने के बजाय नायब तहसीलदार के शासकीय वाहन में टक्कर मार दी, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद आरोपी ट्रैक्टर लेकर खेत में घुस गया। इस दौरान ट्रैक्टर का इंजन और ट्रॉली अलग-अलग हो गए, जिसके बाद चालक मौके से फरार हो गया। नायब तहसीलदार अंकिता पांडेय की शिकायत पर देवलोंद पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने जांच के दौरान ट्रैक्टर चालक प्रकाश उर्फ सत्यम बैस और वाहन मालिक कृष्णपाल बैस, दोनों निवासी बुढ़वा-2, थाना देवलोंद, को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस की कार्रवाई में घटना के तुरंत बाद सक्रियता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करना प्रमुख रहा। थाना प्रभारी जिया उल हक ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

राम और सीता ने शिव पार्वती की उपासना कर इस धरती पर शक्ति पूजा अवधारित की-महंत बाबा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शारदीय नवरात्र पर राजकीय कालोनी स्थित दुर्गा

पार्क में मां दुर्गा पूजा पांडाल में श्री हनुमंत तपोभूमि सरकार सुखयीखेडा सतांव के महामंडलेश्वर महन्त बाबा ने मां कात्यायनी, कालरात्रि सहित नव दुर्गा शक्ति की महिमा पर प्रवचन किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम व मांता सीता जी ने शिव पार्वती माता की उपासना करके इस धरती पर शक्ति की पूजा की महिमा अवधारित की है। राम चरित मानस को जीवन ग्रन्थ बताते हुए कहा कि इसे जीवन में उतारने से लोक व परलोक दोनों सुधरेगा। महंत बाबा ने बताया कि सुखयीखेडा में श्री हनुमान जी तपस्या की थी,यह स्थल अवध प्रांत के मध्य में स्थित है। यहां के दर्शन से संकट कटै मिटै सब पीरा। दुर्गा पूजा के अवसर पर मांता की पूजा में भक्त गजेन्द्र शुक्ला, अशोक कुमार त्रिपाठी, शिव नारायण सोनी, डाक्टर एस सी द्विदी, दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष प्रमोद तिवारी, मंत्री राम कुमार वर्मा, पिंकू सिंह ओम प्रकाश मिश्रा, राजीव मिश्रा, दीनानाथ सिंह ने विधिवत पूजन करके भगवत कथा का श्रवण किया।

आदि शक्ति दुर्गा पूजा समिति द्वारा सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया। उल्लेखनीय है कि राजकीय कालोनी रायबरेली में लगभग चालीस साल से लगातार नवरात्रि में मांता दुर्गा की पूजा चली आ रही है।यह एक ऐसा स्थल है जहां पर नवरात्रि में प्रवचन भी होता है। महंत बाबा का समिति ने अभिनन्दन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

बड़ी धूम-धाम से मनाया गया सिद्ध विनायक मंदिर का स्थापना दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। इन्दिरा नगर पार्क में मण्डली का टीका व अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। सुंदर

विगत चार वर्ष पूर्व सिद्ध विनायक मंदिर की स्थापना स्थानीय लोगों काण्ड में पुरुष और महिलाओं की भागीदारी रही, उसके

द्वारा करायी गयी थी, जहां प्रत्येक वर्ष स्थापना के दिन संगीत मय सुंदर काण्ड का पाठ तथा विशाल भण्डारे का आयोजन किया जाता है,इस वर्ष भी सुबह पूजा अर्चना के साथ आशु शुक्ला एंड कं. द्वारा संगीत मय सुंदर काण्ड का पाठ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक संतोष बाजपेई द्वारा गायक उपरान्त विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया,

जो काफी देर रात्रि तक हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में बिनोद कुमार शुक्ला, रोहित पाण्डेय, मूलचंद जायसवाल, यज्ञदेव शर्मा, क्षेत्रीय सभासद, संतोष बाजपेई सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

बालिकाओ को सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु मिशन शक्ति फेज-6.0 का कार्यक्रम आयोजित किए गए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सोमवार को प्रदेश में महिलाओ एवं बालिकाओ को सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु मिशन शक्ति फेज-6.0 का पुलिस आयुक्त, महोदय कमि0 प्रयागराज के कुशल निर्देशन में व अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था/मुख्यालय, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय/नोडल मिशन शक्ति, पुलिस उपायुक्त नगर/गंगानगर/यमुनानगर व अपर पुलिस उपायुक्त नगर/सहायक नोडल मिशन शक्ति कमि0 प्रयागराज के नेतृत्व में आज दिनांक 19.10.2026 को मिशन शक्ति फेज- 6.0 का जोन नगर, गंगानगर, यमुनानगर कमि0 प्रयागराज कार्यक्रम आयोजित किए गए। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 19.10.2026 को कमिश्नरेट प्रयागराज के नगर ,गंगानगर, यमुनानगर क्षेत्रांतर्गत एसिड अटैक सर्वाइवर्स के प्रोत्साहन एवं हैंडी होल्डिंग कार्यक्रम, उनके अधिकारों, घरेलू हिंसा, उत्पीड़न तथा अन्य समस्याओं के संबंध में जागरूक किया गया तथा महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलम्बन, महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं जैसे सुकन्या समृद्धि योजना,वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना,उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, बीसी सखी, महिला स्वयं सहायता समूह, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ,चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना आदि पर वार्ता कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 आदि के बारे में जानकारी दी गई जिसमें साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में भी जानकारी दी गयी। इसी प्रकार जोन नगर, गंगानगर, यमुनानगर में मिशन शक्ति, महिला बीट एवं एन्टी रोमियो पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गए जो निम्नवत् हैं- जोन नगर - नगर निगम , पत्थर गिरिजा घर व रेलवे हॉस्पिटल थाना महिला थाना, राजापुर बाजार, अम्बेडकर चौराहा थाना कैंट, हनुमान मंदिर चौराहा , पी0डी0 टंडन पार्क थाना सिविल लाइंस, दुर्गा पूजा पंडाल बेनीगंज थाना करेली, दुर्गा पूजा पंडाल नीवां थाना धूमनगंज, अलोपी शंकरी देवी मंदिर थाना दारागंज, ग्राम कटहुला गौसपुर थाना एयरपोर्ट, दुर्गा पूजा पंडाल कल्लू कचौड़ी चौराहा व महावीरन गली थाना मुट्ठीगंज, स्टेशन रोड,

मिनहाजपुर व काल्विन अस्पताल थाना शाहगंज।जोन गंगानगर - मानस हाल दुर्गा पांडाल कस्बा हंडिया थाना हंडिया, बाला कुशवाहा इंटर कालेज थाना उतरांव, ग्राम लोकापुर थाना मऊआईमा, ग्राम रिठाईया थाना सरायइनायत, ग्राम मीरखपुर थाना बहरिया, फाफामऊ पंडाल थाना फाफामऊ, कौड़ीहार पांडाल थाना नवाबगंज, ग्राम गिरधरपुर गोड़वा थाना होलागढ, ग्राम बरना थाना फूलपुर, कुशवाहा इंटर कालेज थाना सरायममरेज। जोन यमुनानगर- मांडा खास चौराहा थाना मांडा, ग्राम - अमिलिया परिक्षेत्र थाना लालापुर, क्षेत्रांतर्गत थाना औद्योगिक क्षेत्र, ग्राम भटौती कोना व नंदा का पूरा थाना घूरपुर, थाना बारा क्षेत्र थाना बारा, क्षेत्रांतर्गत थाना औद्योगिक क्षेत्र, ग्राम पनासा थाना करछना। एंटी-रोमियो स्क्वॉड व महिला बीट/मिशन शक्ति केन्द्र पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों, द्वारा फुट पैट्रोलिंग तथा पीआरवी द्वारा पैट्रोलिंग ,कर नवरात्रि में विभिन्न-मन्दिरों , धार्मिक स्थलो , मेलो एवं अन्य सार्वजनिक स्थलो, स्कूल कॉलेज ,भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रो में चौराहो पर महिला पुलिस बल की विशेष तैनाती कर पूजा पण्डालो मे महिला चौपाल का आयोजन कर एण्टी रोमियो स्वाकड द्वारा सघन अभियान चलाते हुए शोहदो के विरुद्ध मौके पर ही कठोर कार्यवाही हेतु तैनात किये गये पुलिस कर्मियो की काउंसिलिग करते हुए उन्हे जन सामान्य के साथ मर्यादित व्यवहार के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा हैं। केन्द्र/राज्य सरकार की विभिन्न हेल्प लाइन नं0 वीमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन पुलिस सेवा 112, चाइल्ड लाइन 1098, मुख्य मंत्री हेल्पलाइन 1076, गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओ के लिए एम्बुलेंस हेल्प लाइन 102, एम्बुलेंस सेवा 108, साइबर हेल्प लाइन 1930, तथा मिशन शक्ति केन्द्र का व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए अधिक से अधिक महिलाओ एवं बालिकाओ को इस सुविधा का लाभ प्राप्त कराने के लिए मिशन शक्ति केन्द्रो में थाना क्षेत्र की विभिन्न वर्गो की महिलाओ को आमंत्रित कर मिशन शक्ति केन्द्र के कार्यों , उद्देश्यो तथा इस केन्द्र द्वारा उपलब्ध करायी जाने वाली सेवाओ के संबध में प्तितिदिन जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन कर गुड-टच, बैड-टच, महिला सुरक्षा , सम्मान तथा स्वाबलम्बन हेतु व्यापक प्रचार प्रसार कर सार्वजनिक स्थल , संबेदनशील हॉट स्पाट पर पुलिस की व्यापक फुट पैट्रोलिंग तथा पीआरवी द्वारा फुट पैट्रोलिंग करायी जा रही हैं । तथा महिला अपराध रोकथाम हेतु विभिन्न कानूनो की व्यापक जानकारी देकर जागरुक किया/कराया जा रहा है। महिलाओ / बालिकाओं को केन्द्र/ प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं - मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, यूपी राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देकर बालिकाओं /महिलाओं को जागरूक किया गया।

50 फीट का रावण का पुतला किया जाएगा दहन,रावण के विभिन्न मुखोटे का मनोहर चित्रण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी प्रयागराज।दसवीं के दिन

होगा रावण के पुतला दहन,अरैल स्थित महर्षि महेश योगी आश्रम परिसर नैनी प्रयागराज में वरिष्ठ वैदिक विद्वानों के द्वारा रावण का पुतला को बनाया जा रहा है जो दसवीं के दिन पुतले को जलाया जाएगा आश्रम प्रभारी सुनील श्रीवास्तव आश्रम प्रभारी बसंत दास ने बनाया की राम-लक्ष्मण की मूर्ति भी बड़े ही मनोहर आकर्षित कर बनाई गई है। पूरे विधि विधान की तैयारी के साथ रावण का पुतला को आश्रम परिसर में ही जलाया जाएगा बनाने वाले कलाकारों में प्रमुख रूप से निरंजन पाणिग्रही, अजय कुमार पांडा,सुकांत महापात्र, सचिन पांड, आशीष कुमार मिश्रा,वेद प्रकाश गोविंद, भतुराई रमेश महापात्रा, बुकांत कुमार मोहपात्रा, हिमांशु शेखर कर, सचिन रिछारिया, संजीव खानल, सत्य नारायण देश, आशीष कु मिश्रा, आशीष कु मिश्रा, स्मृतरंजन द्विबेदी, सूर्यकांत त्रिपाठी, अंतर्यामी कर, पद्म कुमार पाधी, संतोष कुमार पांडा, गोविंदा भट्टराई, अजय कुमार पांडा, मोहन चरण डैश, मिलन चंद्र डैश, पंकज कु बास्तिया, जगन्नाथ दास, रमेश महापात्रा, सचिंद्र कु.पांडा, उपेन्द्र नंदा, निरंजन पाणिग्राही, वेद प्रकाश मिश्रा, संजय श्रीवास्तव ने बताया कि दशमी के दिन रात्रि 8:00 बजे पुतला दहन किया जाएगा जो ध्यान हाल के सामने आश्रम परिसर है उसी में रावण का पुतला दहन किया जाएगा।

सुविख्यात समाजसेवी पतविन्दर सिंह ने महर्षि महेश योगी आश्रम के वैदिक विद्वानों द्वारा बनाए जा रहे रावण के विभिन्न मुखोटे का चित्रण को देखकर भूरी भूरी प्रशंसा वक्त की।

मिशन शक्ति 6.0 के तहत मॉडल मिशन शक्ति केंद्र पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। महिला कल्याण

विभाग द्वारा मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थाना में स्थापित मॉडल मिशन शक्ति केंद्र पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को कैरियर के विभिन्न अवसरों, शिक्षा, रोजगार तथा सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा और उन्हें आत्मनिर्भर बनने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। महिला कल्याण विभाग से जेंडर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना,वन स्टॉप सेंटर,चाइल्ड हेल्प लाइनके संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में रुमा परवीन महिला आरक्षी, सीमा सिंह, दीपिका, पुष्पा , नेहा एवं अनेक महिलाएं उपस्थित रही।

अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन कर भावविभोर हुईं 52 महिला रेलकर्मी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। सोमवार को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने महिला

रेलकर्मियों के कल्याण और सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए कर्मचारी कल्याण निधि के अंतर्गत लखनऊ परिक्षेत्र की महिला रेलकर्मियों के लिए अयोध्या भ्रमण शिविर का आयोजन किया। इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक यात्रा में 52 महिला रेलकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में महिला रेलकर्मियों ने अयोध्या धाम पहुंचकर भव्य श्रीराम मंदिर में रामलला के दर्शन-पूजन किए और हनुमानगढ़ी मंदिर में माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद प्रतिभागियों ने लता चौक और पवित्र सरयू नदी के तट पर स्थित रामघाट का भ्रमण किया। सरयू तट का शांत, सुरम्य और आध्यात्मिक वातावरण महिला रेलकर्मियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। धार्मिक स्थलों के दर्शन से जहां उन्हें आध्यात्मिक शांति मिली, वहीं रोजमर्रा के कार्यों की व्यस्तता से दूर आपसी मेलजोल और संवाद का अवसर भी प्राप्त हुआ। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कहा कि इस भ्रमण शिविर का उद्देश्य महिला रेलकर्मियों को देश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ कार्यस्थल के तनाव को कम करना, सामाजिक जुड़ाव बढ़ाना और उनमें टीम भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल में महिला कर्मचारी आज विभिन्न जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित कर रही हैं।

लखनऊ मंडल में पूरी तरह महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित रेलवे स्टेशन महिला सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के कल्याणकारी कार्यक्रम महिला कर्मचारियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उनमें सकारात्मक ऊर्जा और कार्य के प्रति नई प्रेरणा का संचार करते हैं। पूर्वोत्तर रेलवे का लखनऊ मंडल कर्मचारियों, विशेषकर महिला रेलकर्मियों के कल्याण, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस आयोजन की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने दी।

ब्यौहारी मार्तंड गंज नवदुर्गा उत्सव समिति वार्ड-9 में आज गूंजेंगे माता रानी के जयकारे, हवन के बाद विशाल भंडारा हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ब्यौहारी। नगर के वार्ड क्रमांक

9 मार्तंड गंज मंगलवार, 20 अक्टूबर को ब्यौहारी नवदुर्गा उत्सव समिति द्वारा हवन-पूजन एवं विशाल भंडारा प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। समिति द्वारा कार्यक्रम की तैयारियां की जा रही हैं और धर्मप्रेमियों को आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। समिति के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मंगलवार सुबह 11 बजे विधि विधान के साथ हवन-पूजन किया जाएगा। इसके पश्चात सुबह 4 बजे से भंडारा प्रसाद वितरण प्रारंभ होगा।

आयोजन के माध्यम से श्रद्धालु माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे और धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता निभाएंगे। ब्यौहारी मार्तंड गंज नवदुर्गा उत्सव समिति ने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं, माताओं-बहनों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में आयोजन स्थल पर पहुंचने की अपील की है।

समिति ने सभी से हवन-पूजन में शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभअर्जित करने का आग्रह किया है।

मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम में भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ने श्रद्धालुओं के लिए विशेष योगदान,भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ने श्रद्धालुओं के लिए की विशेष व्यवस्था

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। नवरात्रि के आज अंतिम दिन दुर्गा पंडालो में स्थापित मूर्तियों का विसर्जन कार्यक्रम ऐतिहासिक सई नदी के किनारे हुआ जिसमें प्रशासनिक व्यवस्थाएं तो थी साथ ही भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ने भी श्रद्धालुओं के लिए अपनी तरफ से विशेष योगदान दिया। राजघाट मे होने वाले विसर्जन कार्यक्रम में पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष दिनेश सिंह राठौर ने अपनी तरफ से एक पंडाल लगवाया जिसमे जलपान के साथ-साथ बैठने की व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए की गई त दिनेश सिंह राठौड़ ने बताया कि सभी के सहयोग से उन्होंने इस कार्यक्रम का आयोजन करवाया है जिसमें पंडाल में रुकने के लिए और बैठने के लिए कुर्सियां और जलपान की व्यवस्था है उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में देवियों का स्थान सर्वोपरि है और शक्ति के रूप में स्थापित नवदुर्गा का आज विसर्जन है इसके उपलक्ष्य पर संपूर्ण

हिंदू समाज को अपनी बेटियों को दुर्गा के समान शस्त्र और शास्त्र दोनों की शिक्षा देने की जरूरत है क्योंकि यही समय की मांग है अब भारतीय संस्कृति को मानने वाले लोगों को इस बात को स्वीकार करना चाहिए राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा सर्वोपरि। भाजपा नेता इं. विजय रस्तोगी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे उन्होंने आने वाले श्रद्धालुओं का अभिवादन उन्होंने बताया कि विजयदशमी मेला और विसर्जन स्थल की दूरी पास होने के कारण भीड़ बढ़ जाती है जिसके लिए प्रशासन ने व्यवस्था कर रखी है लेकिन समाजसेवी और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करना चाहिए इसी कड़ी में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष दिनेश सिंह राठौर के द्वारा जो सहयोग दिया गया है उसमें सहयोगिता करने के लिए सभी लोग एकत्रित हुए हैं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, महामंत्री मधुकर सिंह, पुनीत सिंह,भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री जय तालरेजा, महाराजगंज के पूर्व ब्लाक प्रमुख सत्येंद्र सिंह, बबलू कछुवहा,बृजेंद्र साहू, विजेंद्र चौधरी, संदीप सिंह, पुनीत सिंह,अनुभव कक्कड़, बबलू केसरिया, डॉ रवि प्रताप सिंह, मनीष सहित सहयोग के लिए कई कार्यकर्ता मौजूद है।

अवैध कच्ची शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई,30 लीटर शराब बरामद, 200 किलो लहन नष्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आबकारी आयुक्त,

उत्तर प्रदेश, प्रयागराज के निर्देशों के क्रम में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग की टीम ने जनपद में विभिन्न स्थानों पर दबिश दी। उप आबकारी आयुक्त, लखनऊ प्रभार के मार्गदर्शन एवं जिला आबकारी अधिकारी, रायबरेली के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान 30 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा 200 किलोग्राम लहन बरामद कर मौके पर नष्ट कराया गया। आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 प्रशांत कुमार ने हमराह टीम के साथ सदर तहसील के थाना मिल एरिया अंतर्गत मक्कू का पुरवा एवं राही क्षेत्र में कच्ची शराब बनाने के अड्डों और संदिग्ध घरों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान अवैध कच्ची शराब की बरामदगी के साथ ही शराब निर्माण में प्रयुक्त होने की आशंका वाले लहन को मौके पर नष्ट कराया गया। इस मामले में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कुल दो अभियोग पंजीकृत किए गए।

गोंडा स्टेशन पर स्वच्छता की अलख, यात्रियों को सिंगल यूज प्लास्टिक से बचने की दी नसीहत

(आधुनिक समाचार) लखनऊ। सोमवार को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में स्वच्छ

रेल परिसर की मुहिम को गति देते हुए 'स्पेशल कैंपेन 6.0' के तहत गोंडा जंक्शन पर स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता जागरूकता रैली निकालकर यात्रियों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया गया। वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (टीआरएस) आशीष कुमार मद्धेशिया के नेतृत्व में रेलकर्मियों ने स्टेशन परिसर में यात्रियों से संवाद स्थापित कर स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। रैली के माध्यम से यात्रियों को सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने, कूड़ा इधर-उधर फेंकने के बजाय कूड़ेदान में डालने और प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर कपड़े के थैलों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। रेलकर्मियों ने स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश देते हुए कहा कि स्टेशन परिसर को साफ-सुथरा बनाए रखने में रेल प्रशासन के साथ यात्रियों की सहभागिता भी जरूरी है। अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना भी रहा। कार्यक्रम में एरिया मैनेजर, स्टेशन अधीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक सहित अन्य रेलकर्मी मौजूद रहे। पूर्वोत्तर रेल का लखनऊ मंडल स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर रेल परिसर सुनिश्चित करने के लिए लगातार अभियान चला रहा है। यह जानकारी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने दी।

बिशप कॉन्वेंट स्कूल में हर्षोल्लास के साथ डांडिया महोत्सव मनाया गया,बच्चों ने प्रस्तुत की मनमोहक सांस्कृतिक झलक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी/प्रयागराज। रविवार को नैनी स्थित बिशप कॉन्वेंट स्कूल में गत दिवस डांडिया महोत्सव का

आयोजन बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की। पूरे विद्यालय परिसर में उत्सव का माहौल रहा और सभी ने मिलकर पर्व को उल्लासपूर्वक मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवरात्रि एवं मां दुर्गा की महिमा से जुड़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। बच्चों ने पारंपरिक परिधानों में सजकर उत्सव की शोभा बढ़ाई। इसके पश्चात बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक स्वरूप रावण दहन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद डांडिया नृत्य का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।इस अवसर पर सुविख्यात समाजसेवी सरदार पतविंदर सिंह एवं सौरव कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़े रहने का संदेश दिया। विद्यालय के निदेशक संजय पाठक ने बच्चों को नवरात्रि, मां दुर्गा की महिमा और डांडिया पर्व के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि नवरात्रि का पर्व मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना और शक्ति की उपासना का प्रतीक है। यह पर्व हमें नारी शक्ति के सम्मान, बुराई पर अच्छाई की विजय तथा सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि डांडिया नृत्य विशेष रूप से गुजरात की समृद्ध लोक-संस्कृति से जुड़ा हुआ है और नवरात्रि के दौरान बड़े उत्साह से किया जाता है। डांडिया में प्रयोग की जाने वाली रंग-बिरंगी लकड़ियां मां दुर्गा की आराधना से जुड़ी पारंपरिक नृत्य शैली का अभिन्न अंग हैं। इन लकड़ियों को लयबद्ध तरीके से आपस में टकराकर नृत्य किया जाता है, जो सामूहिकता, अनुशासन, समन्वय और आनंद की भावना को दर्शाता है। उन्होंने बच्चों को समझाया कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं, धार्मिक मान्यताओं और भारतीय विरासत से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती अलका पाठक एवं प्राचार्या श्रीमती रुचि मिश्रा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी अभिभावकों, अध्यापिकाओं, अध्यापकों एवं विद्यालय के अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया और कार्यक्रम को यादगार बनाया। अंत में विद्यालय परिवार ने भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण तथा बच्चों में नैतिक मूल्यों, सांस्कृतिक चेतना और आपसी सद्भाव को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया। पूरे कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास और उत्सवपूर्ण वातावरण में हुआ।

रायबरेली में किसना डायमंड एंड गोल्ड के पहले लकी ड्रॉ का भव्य आयोजन, माधुरी देवी बनीं विजेता,एम्स के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज श्रीवास्तव ने निकाला विजेता का कूपन, ग्राहकों को कार और स्कूटी जीतने का भी मिलेगा मौका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शहर के बरगद

चौराहा स्थित किसना डायमंड एंड गोल्ड शोरूम में पहले लकी ड्रॉ कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे एम्स रायबरेली के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज श्रीवास्तव ने लकी ड्रॉ का कूपन निकालकर विजेता की घोषणा की। इस दौरान श्रीमती माधुरी देवी विजेता रहीं। विजेता के नाम की घोषणा होते ही कार्यक्रम में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर ए. विजय रस्तोगी, श्रीमती सोनिया रस्तोगी, डॉ. राशि रस्तोगी, श्री इंद्रभान सिंह और श्री चिन्मन लाल सालवानी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से शोरूम प्रबंधन ने ग्राहकों के साथ खुशियां साझा कीं और उन्हें आकर्षक पुरस्कार जीतने के अवसरों से रूबरू कराया। ग्राहकों को कार और स्कूटी जीतने का भी अवसरः-किसना डायमंड एंड गोल्ड की ओर से ग्राहकों के लिए खुशियों का सिलसिला अभी जारी है। शोरूम की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, आगामी चरणों में कार और एक अन्य स्कूटी का लकी ड्रॉ भी होना बाकी है। इससे ग्राहकों के पास खरीदारी के साथ आकर्षक पुरस्कार जीतने का

अवसर रहेगा। योजना के तहत रु25,000 की हीरे की ज्वेलरी अथवा रु75,000 के सोने के आभूषणों की खरीदारी करने वाले ग्राहकों को लकी ड्रॉ में शामिल होने का अवसर दिया जाएगा। योजना में भाग लेने के इच्छुक ग्राहक शोरूम पहुंचकर पात्रता और नियमों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। बरगद चौराहे के पास स्थित है शोरूमः-किसना डायमंड एंड गोल्ड का शोरूम रायबरेली शहर में बरगद चौराहे के पास, यामाहा शोरूम के बगल में स्थित है।

शोरूम प्रबंधन ने ग्राहकों से अपील की है कि वे आभूषणों की खरीदारी के साथ लकी ड्रॉ योजना की जानकारी प्राप्त करें और निर्धारित शर्तों के अनुसार इसमें भाग लेकर आकर्षक पुरस्कार जीतने का अवसर प्राप्त करें।खुशियों के हर पल को खास बनाने की पहलः-किसना डायमंड एंड गोल्ड की इस पहल से ग्राहकों को खरीदारी के साथ पुरस्कार जीतने का अवसर मिल रहा है। पहले लकी ड्रॉ के सफल आयोजन के बाद अब ग्राहकों को आगामी ड्रॉ का इंतजार है, जिसमें कार और स्कूटी जैसे आकर्षक पुरस्कार शामिल हैं।

म्योरपुर रामलीला में मेघनाद वध का मनमोहक मंचन,जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा परिसर

सोनभद्र। म्योरपुर कस्बे में चल रही ऐतिहासिक श्रीरामलीला के 11वें दिन मेघनाद वध का मनमोहक मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय से रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। इसे देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। मंचन में दिखाया गया कि रावण पुत्र मेघनाद अजेय शक्ति पाने के लिए विशेष यज्ञ करता है। लक्ष्मण और वानर सेना ने यज्ञ स्थल पर पहुंचकर इसे भंग कर दिया। यज्ञ भंग होने से गुस्साए मेघनाद और लक्ष्मण के बीच

भीषण युद्ध हुआ। मेघनाद ने मायावी शक्तियों का प्रयोग किया, लेकिन लक्ष्मण ने वीरता दिखाते हुए उसका वध कर दिया। इस दृश्य पर दर्शकों ने 'जय श्रीराम' के जयकारे लगाए।इस दौरान पूर्व दुद्धी विधायक रामदुलार गोंड़ और म्योरपुर ब्लॉक प्रमुख मानसिंह गोंड़ भी मौजूद रहे। रामलीला कमेटी ने उन्हें सम्मानित किया। म्योरपुर में 1965 से यह रामलीला हो रही है, जो क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है।

कुएं में डूबकर अबोध बच्चे की मौत, सोनभद्र में दो घंटे तलाश के बाद मिला शव, डॉक्टर ने किया मृत घोषित

सोनभद्र। इंजानी गांव में मंगलवार को पांच साल के बच्चे

की कुएं में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान विजय शंकर के बेटे बुलेट बाबा अंबेडकर के रूप में हुई। दशहरे के दिन हुई इस घटना से परिवार में मातम पसर गया। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार दोपहर बच्चा घर के पास कुएं के किनारे कांटा डालकर मछली मार रहा था। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में गिर गया। मां घर में कपड़े सिल रही थी, जबकि परिवार के बाकी सदस्य खेतों में थे। करीब दो घंटे तक बच्चा घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने तलाश शुरू की। एक बच्ची ने बताया कि बच्चा कुएं के पास मछली मार रहा था। परिजनों ने कुएं में झग्गड़ डालकर तलाशा तो बच्चा उसमें फंसा मिला। उसे तुरंत सीएचसी म्योरपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टर संजीव बिंद ने मृत घोषित कर दिया। वह बकरीहवां के स्कूल में कक्षा एक का छात्र था। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले साल भी इसी कुएं में एक 13 साल का बच्चा गिरा था, जिसे बचाया गया था। स्वास्थ्य कर्मियों ने पुलिस को मौत की सूचना दी है।

सोनभद्र मंडी अग्निकांड में भाजपा ने उठाई मुआवजे की मांग,सपा ने जांच पर जोर दिया, आग से 14 दुकानें जलकर राख हुई थी

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज स्थित

नवीन मंडी समिति में सोमवार की रात करीब 11 बजे लगी भीषण आग में लगभग 14 दुकानें जलकर राख हो गईं। अग्निकांड में फल, सब्जियां और अन्य सामान नष्ट होने से किसानों और व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। घटना के बाद पीड़ितों को मुआवजा दिलाने की मांग तेज हो गई है। भाजपा ने प्रशासन से नुकसान का आकलन कराकर राहत दिलाने की पहल की है, जबकि समाजवादी पार्टी ने मंडी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. धर्मवीर तिवारी, अरविंद पांडेय, मनीष अग्रहरि और योगेश सिंह घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने अग्निशमन विभाग को सूचना देकर आग बुझाने के प्रयास में सहयोग किया। मंगलवार को डॉ. धर्मवीर तिवारी ने मंडी समिति पहुंचकर सचिव से मुलाकात की और नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने प्रभारी मंत्री हंसराज विश्वकर्मा को भी मामले से अवगत कराया। मंत्री ने जिलाधिकारी से बातचीत कर पीड़ित व्यापारियों को नियमानुसार मुआवजा दिलाने का भरोसा दिया। डॉ. तिवारी ने मंडी सचिव से नुकसान का तत्काल सर्वे कराकर रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजने को कहा, ताकि राहत की प्रक्रिया जल्द शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि अग्निकांड से व्यापारियों की आजीविका प्रभावित हुई है। ऐसे में प्रशासन को संवेदनशीलता दिखाते हुए उन्हें जल्द राहत देनी चाहिए। सीसीटीवी कैमरे खराब होने पर उठाए सवालः-उधर, समाजवादी पार्टी ने अग्निकांड में करीब 40 लाख रुपये की उपज, फल, सब्जियां और अन्य सामान नष्ट होने की जानकारी देते हुए प्रभावित किसानों और व्यापारियों को उचित मुआवजा देने की मांग की। पार्टी ने मंडी में लगे सीसीटीवी कैमरों के खराब होने पर सवाल उठाते हुए कहा कि सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। सपा ने अग्निकांड की उच्चस्तरीय जांच कराने, सीसीटीवी कैमरे खराब होने के कारणों का पता लगाने और दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की। साथ ही मंडी में अग्निशमन उपकरणों और सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने पर जोर दिया, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

चोपन पुलिस ने 37.650 टन अवैध कोयला पकड़ा-एक गिरफ्तार, ट्रक में पेपर बिना हो रहा था परिवहन

सोनभद्र। चोपन थाना पुलिस ने अवैध कोयला परिवहन के

खिलाफ कार्रवाई करते हुए 37.650 टन कोयला लदा एक ट्रक बरामद किया है। पुलिस ने ट्रक संख्या यूपी-63 बीटी-0135 के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजीव कुमार भारती (करीब 38 वर्ष), निवासी झारोकला, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र के रूप में हुई है। पुलिस प्रेस नोट के अनुसार, यह कार्रवाई 19 अक्टूबर 2026 की रात करीब 11:41 बजे चोपन क्षेत्र के प्रीतनगर चौकी के के निकट मार्ग पर की गई। पुलिस का कहना है कि ट्रक में बिना वैध कागजात के कोयले का परिवहन किया जा रहा था। मामले में थाना चोपन पर मु.अ.सं. 0402/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 317(2) और 317(5) में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। बरामदगी में एक मोबाइल फोन और 1,000 रुपये नकद भी शामिल हैं।

कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक गोपाल जी गुप्ता सहित चौकी और थाने के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

म्योरपुर दुर्गा पंडाल में उमड़ी भक्तों की भीड़,भंडारे में बंटा प्रसाद

सोनभद्र। नवरात्र के मौके पर म्योरपुर कस्बे के दुर्गा पंडालों में मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। सोमवार सुबह से देर रात तक भक्त दर्शन के लिए पहुंचते रहे। पंडालों में लंबी कतारें लगी रहीं और पूरा इलाका भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। इस दौरान दुद्धी के पूर्व विधायक हरिराम चेरो ने दुर्गा पंडाल में पहुंचकर मां दुर्गा की आरती की। उन्होंने क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। नवरात्र के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया।

इसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में चना-पनीर की सब्जी, खीर और हलुआ बांटा गया। भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर मां दुर्गा का आशीर्वाद लिया। शाम होते ही पंडालों में भीड़ और बढ़ गई।

स्पोर्ट्स

दिवाली पर घर पेंट कराते समय रहे सावधान,लेड फ्री पेंट चुनें, जब तक पुताई चले वहां से दूर रहें, 19 सावधानियां रखें याद

नयी दिल्ली। दिवाली का त्योहार नजदीक है। घरों में रंगाई-पुताई और पुराने फर्नीचर को नया लुक देने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। लेकिन क्या

आप जानते हैं कि जिस रंग से घर की खूबसूरती बढ़ती है, वही रंग सेहत के लिए खतरा भी बन सकता है? दरअसल कुछ पेंट में लेड यानी सीसा होता है। साल 2019 की 'टॉक्सिक लिंक' की एक स्टडी के मुताबिक, भारतीय बाजार में बिक रहे 17 में से लगभग 13 पेंट में लेड की मात्रा 10,000पीपीएम(पाट्‌र्स पर मिलियन) से ज्यादा थी। जबकि भारत सरकार द्वारा पेंट में लेड की तय सीमा 90पीपीएम है। लेड एक ऐसा हानिकारक तत्व है, जिसका बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट पर बहुत खतरनाक असर पड़ता है। यूनिसेफ और 'प्योर अर्थ' की 2020 की रिपोर्ट 'द टॉक्सिक ट्रूथ' के अनुसार, दुनिया में करीब 80 करोड़ बच्चों (हर 3 में से 1) के ब्लड में लेड का लेवल 5 माइक्रोग्राम प्रति डेसीलीटर या उससे ज्यादा था। जबकि बच्चों में इसका कोई भी लेवल सुरक्षित नहीं माना जाता। वहीं 'इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन' की ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) की स्टडी के मुताबिक, साल 2021 में दुनिया भर में लेड एक्सपोजर के कारण लगभग 15 लाख लोगों की मौत हुई थी। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में दिवाली पर घर की रंगाई-पुताई से जुड़ी सावधानियों पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-पेंट में मौजूद केमिकल्स के क्या हेल्थ रिस्क हैं? इनसे बचने के लिए कौन-सी सावधानियां बरतनी चाहिए? विषय को और गहराई से समझेंगे। एक्सपर्ट- डॉ. अली शेर, कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से।

सवाल- घर की रंगाई-पुताई के दौरान सेहत को क्या खतरे हो सकते हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- पेंट से निकलने वाले केमिकल्स के बारीक कण और रासायनिक गैस हवा से सांस के जरिए शरीर में पहुंचते हैं। पुराने पेंट को खुरचने या घिसने से धूल उड़ती है। इसमें लेड जैसे जहरीले तत्व मौजूद हो सकते हैं। इन केमिकल्स के संपर्क में आने से आंखों, स्किन और रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट में जलन हो सकती है। बंद कमरे में पेंट के खतरनाक बारीक केमिकल्स और रासायनिक गैस जमा होती है। इससे सिरदर्द, चक्कर और सांस लेने में परेशानी हो सकती है। लेड एक्सपोजर खासकर बच्चों के लिए खतरनाक है। इससे उनके ब्रेन डेवलपमेंट पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। सवाल- पेंट में कौन-से खतरनाक केमिकल होते हैं और इसका सेहत पर क्या असर है? जवाब- पेंट में कई तरह के खतरनाक केमिकल्स यूज किए जाते हैं, जिनके एक्सपोजर से सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। पेंट में मौजूद खतरनाक केमिकल्सः- लेड (सीसा) ब्रेन, किडनी और हार्ट को नुकसान, टोल्यून, जाइलीन चक्कर, सिरदर्द, नर्वस सिस्टम पर असर, आइसोसाइनेट रेस्पिरेटरी प्रॉब्लम्स, अस्थमा का रिस्क। वीओसी (वोलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड्स) आंखों में जलन सिरदर्द मतली, कुछ ग्लाइकोल ईथर आंख, स्किन और अन्य ऑर्गन्स पर असर कुछ बायोसाइड स्किन में जलन, एलर्जी। सवाल- लेड यानी सीसा शरीर को किस तरह नुकसान

पहुंचाता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- बच्चों में ब्रेन डेवलपमेंट के साथ लर्निंग एबिलिटी और बिहेवियर पर बुरा असर पड़ता है। प्रेग्नेंसी में लेड गर्भस्थ शिशु तक पहुंच सकता है और उसकी ग्रोथ को प्रभावित कर सकता है। लंबे समय में लेड शरीर में जमा होता है। इससे ब्रेन, किडनी, हार्ट और नर्वस सिस्टम सहित कई अंगों को नुकसान पहुंचता है। सवाल- क्या पेंट में लेड की मौजूदगी का पता उसकी स्मेल या रंग से लगाया जा सकता है? जवाब- नहीं, सिर्फ स्मेल या रंग से पेंट में लेड होने का पता नहीं लगाया जा सकता। इसके लिए ये तरीके अपनाएं- पेंट के डिब्बे पर दी गई सामग्री और सुरक्षा संबंधी जानकारी पढ़ें। कंपनी की वेबसाइट पर पेंट में मौजूद केमिकल्स की जानकारी देखें। सिर्फ 'इको-फ्रेंडली' या 'नॉन-टॉक्सिक' लिखे होने से पेंट को लेड-फ्री न मानें। शक होने पर मान्यता प्राप्त लैब से पेंट की जांच कराएं। सवाल- वीओसी (वोलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड्स) क्या हैं और ये क्यों खतरनाक हैं? जवाब- ये ऐसे केमिकल हैं, जिनका यूज कुछ पेंट, वार्निश और थिनर में होता है। इसे पेंट को जल्दी सूखने, सतह पर आसानी से फैलने उसकी फिनिश बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। इनके एक्सपोजर से- आंख, नाक और गले में जलन हो सकती है। सिरदर्द, चक्कर आना या मतली हो सकती है।

सांस लेने में परेशानी हो सकती है। लिवर, किडनी और नर्वस सिस्टम को नुकसान पहुंच सकता है। कुछ वीओसी से कैंसर का रिस्क भी बढ़ता है।

सवाल- क्या वाटर-बेस्ड पेंट सॉल्वेंट बेस्ड-पेंट से ज्यादा सुरक्षित हैं? जवाब- आमतौर पर वाटर-बेस्ड पेंट में कई सॉल्वेंट-बेस्ड प्रोडक्ट्स की तुलना में वीओसीज़ कम हो सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें- वाटर-बेस्ड का मतलब यह नहीं कि पेंट पूरी तरह केमिकल-फ्री है। इसमें भी प्रिजर्वेटिव्स या दूसरे केमिकल्स हो सकते हैं। ऐसे में पेंट खरीदते समय इन बातों का ध्यान रखें- पेंट खरीदते समय ध्यान रखें ये बातेंः-लेड फ्री पेंट ही खरीदें। पेंट में वीओसी की मात्रा कम हो। टेस्ट किट से लेड जांचें। इनडोर यूज के लिए सेफ हो। केमिकल की जानकारी पढ़ें। 6 पेंट सूखने से जुड़े निर्देश पढ़ें। 7 चेतावनी, सुरक्षा निर्देश पढ़ें। आईएसआई मार्क चेक करें। पुराना पेंट न खरीदें। सवाल- पुराने पेंट को खुरचने या घिसने में ज्यादा रिस्क क्यों है? जवाब- पुराने पेंट को खुरचने या घिसने से उसमें मौजूद लेड के बारीक कण धूल में मिल सकते हैं। इससे घर की हवा और सतहें दूषित हो सकती हैं। यह धूल बच्चों के खिलौनों, हाथों और खाने-पीने की चीजों तक पहुंचकर शरीर में लेड पहुंचने का खतरा बढ़ाती है। सवाल- घर की पुताई के दौरान बच्चों और गर्भवती महिलाओं को क्या सावधानी रखनी चाहिए? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- पुताई शुरू होने से पहले बच्चों और प्रेग्नेंट महिलाओं के रहने की दूसरी जगह तय करें। इन दौरान उन्हें उस कमरे से दूर रखें। खिड़कियां-दरवाजे खोलें, ताकि पर्याप्त वेंटिलेशन बना रहे। पेंट, थिनर और पेंटिंग के औजार बच्चों की पहुंच से दूर रखें। पेंटिंग के दौरान खिलौने और बच्चों का सामान उस जगह से हटा दें। काम के बाद सतहों की उचित सफाई होने तक बच्चों को वहां न खेलने दें। सवाल- पेंटिंग के दौरान घर में वेंटिलेशन कैसे बनाए रखें? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- कमरे की खिड़कियां-दरवाजे खुले रखें। एग्जॉस्ट फैन चलाएं, ताकि पेंट की गंध, हवा में फैले बारीक केमिकल्स और रासायनिक गैसें बाहर निकल सकें। सिर्फ एयर कंडीशनर पर निर्भर न रहें, क्योंकि यह बाहर की ताजी हवा नहीं लाता। पुताई पूरी होने के बाद भी निर्देशों के मुताबिक कमरे में वेंटिलेशन का इंतजाम बनाए रखें। सवाल- दिवाली पर घर की पुताई करवाते समय सबसे

जरूरी सावधानियां क्या हैं? जवाब- इस दौरान ग्राफिक में दी गई कुछ बातों का खास ख्याल रखें- पेंटिंग से जुड़ी जरूरी सावधानियांः-पेंटिंग से पहलेः- बच्चों, बुजुर्गों को दूर रखें। प्रेग्नेंट महिलाएं दूर रहें। सुरक्षा निर्देश फॉलो करें। मास्क, दस्ताने, गॉगल्स पहनें। खाने-पीने की चीजें ढक दें। सॉल्वेंट को आग से दूर रखें। फर्नीचर और फर्श ढक दें। पेंटिंग के दौरानः- खिड़की-दरवाजे' खुले रखें। स्किन, आंखों को पेंट से बचाएं। पुराने पेंट को खुद न खुरचें। पेंट की धूल न उड़ाएं। पेंटिंग स्पेस में स्मोक न करें। इस्तेमाल के बाद डिब्बे बंद करें। पेंटिंग के बादः- हाथ साबुन- पानी से धोएं। छींटों की सफाई करें। बचे पेंट, थिनर को डिस्पोज करें। पेंट बच्चों की पहुंच से दूर रखें। पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखें। निर्देशों के अनुसार ही कमरे में जाएं। सवाल- क्या पुताई के दौरान सिर्फ मास्क पहनना पर्याप्त है? जवाब- नहीं, सामान्य मास्क पेंट की रासायनिक गैसों और केमिकल्स के बारीक कणों से पूरी सुरक्षा नहीं देता। इसके लिए सही रेस्पिरेटर, अच्छा वेंटिलेशन और पेंट के संपर्क को कम करना भी जरूरी है। सवाल- वुडन फर्नीचर, खिड़की और दरवाजों की पॉलिश से क्या रिस्क हो सकता है? जवाब- इसमें वीओसीज़ और दूसरे केमिकल हो सकते हैं। इनके संपर्क में आने से हेल्थ प्रॉब्लम्स होती हैं, जैसेकि-आंखों और त्वचा में जलन। सिरदर्द और चक्कर। सांस लेने में परेशानी हो सकती है। लंबे समय में कुछ केमिकल्स लिवर, किडनी और नर्वस सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सवाल- पेंटिंग के कितनी देर बाद घर में लौटना सुरक्षित है? जवाब- इसका कोई एक निश्चित समय नहीं है। यह पेंट की किस्म, इस्तेमाल की मात्रा, वेंटिलेशन, तापमान और नमी पर निर्भर करता है। आमतौर पर 5-7 दिन बाद जोखिम काफी कम हो जाता है। पेंटिंग के दौरान सिरदर्द, चक्कर, मतली या आंखों में तेज जलन जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें। ये केमिकल एक्सपोजर के संकेत हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत ताजी हवा में जाएं और परेशानी बढ़ने पर डॉक्टर से मिलें। सवाल- क्या पेंट की धूल और बचे हुए केमिकल की सफाई के लिए खास सावधानी जरूरी है? जवाब- हां, इस दौरान इन बातों का ध्यान रखें-धूल को सूखे कपड़े या झाड़ू से न उड़ाएं। प्रोफेशनल्स से उचित सफाई करवाएं। पेंट और थिनर के बचे हुए हिस्सों को नाली में न बहाएं। पेंट, थिनर और क्लीनिंग केमिकल्स को बच्चों की पहुंच से दूर रखें। सवाल- पुताई के दौरान किन संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए? जवाब- केमिकल वेपर्स या धूल के संपर्क में आने पर ये लक्षण दिख सकते हैं-आंखों, नाक या गले में तेज जलन। सिरदर्द, चक्कर या मतली। खांसी, सांस लेने में परेशानी या सीने में जकड़न। त्वचा पर खुजली या चकत्ते। ऐसे में तुरंत उस जगह से बाहर निकलें और ताजी हवा में जाएं। सांस लेने में परेशानी होने पर तत्काल मेडिकल हेल्प लें।

पैरा एशियन गेम्स में भारत को पांचवां गोल्ड,दीप्ति ने 400मी. दौड़ में रिकॉर्ड के साथ सोना जीता,3 सिल्वर, 8 ब्रॉन्ज भी मिले

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय एथलीट दीप्ति जीवनजी ने मंगलवार को पैरा एशियन गेम्स में गोल्ड जीता। उन्होंने 400 मीटर टी20 दौड़ की विमेंस कैटेगरी में यह मेडल अपने नाम किया। दीप्ति ने 56.36 सेकेंड का समय निकालकर नया गेम्स रिकॉर्ड भी बनाया। यह नागोया में चल रहे पैरा एशियन गेम्स में भारत का पांचवां गोल्ड है। भारत ने अब तक कुल 23 मेडल जीत लिए हैं। इनमें से 4 गोल्ड एथलीट्स ने दिलाए। एक गोल्ड शूटिंग में आया। भारत ने 1 गोल्ड, 3 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज सहित कुल 12 मेडल जीते। दीप्ति ने लगातार दूसरी बार सोना जीताः-दीप्ति ने लगातार दूसरी बार इस इवेंट का गोल्ड जीता है। उन्होंने 2022 में 56.59 सेकेंड का समय लिया था। इस बार उन्होंने अपने समय में 0.23 सेकेंड का सुधार किया।

जापान की नीना कानो ने सिल्वर और अकारी काटो ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। 23 साल की दीप्ति तेलंगाना की रहने वाली हैं। वे 2 बार पैरा वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीत चुकी हैं। उन्होंने 2024 में गोल्ड मेडल जीता था। वह इसी स्पर्धा में पैरालिंपिक ब्रॉन्ज मेडल भी जीत चुकी हैं।

टी20 कैटेगरी के खिलाड़ियों को जानकारी समझने, ध्यान लगाने और रेस की योजना बनाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। मनीष नरवाल ने 10 मीटर पिस्टल एसएच-1 में सिल्वर जीताः-भारतीय शूटर मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 कैटेगरी का सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने 8 खिलाड़ियों के फाइनल में 233.7 अंक बनाए। मनीष ने 2028 लॉस एंजिलिस पैरालिंपिक्स का कोटा भी हासिल किया। उनसे पहले मोना अग्रवाल और अवनी लेखरा कोटा दिला चुकी हैं। साउथ कोरिया के जो जोंगडू ने 241.3 अंक के साथ एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड मेडल जीता। चीन के यांग चाओ ने 213.6 अंक के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। प्रदीप को सिल्वर, आयुष ने जीता ब्रॉन्जः- पुरुषों के जैवलिन थ्रो एफ53/54 इवेंट में भारत ने दो मेडल जीते। प्रदीप कुमार ने लगातार दूसरी बार सिल्वर मेडल जीता।

उन्होंने एफ54 कैटेगरी में 27.45 मीटर का पर्सनल बेस्ट थ्रो किया। आयुष वर्मा ने 17.88 मीटर के थ्रो के बावजूद ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्हें रजा पॉइंट्स के आधार पर पोडियम में जगह मिली।ईरान के एरफान बंडोरी ने 30.24 मीटर के गेम्स रिकॉर्ड थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता। पैरा पावरलिफ्टिंग में अशोक ने सिल्वर जीताः-पैरा पावरलिफ्टिंग में अशोक ने पुरुषों के 65 किग्रा तक वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास में 192 किग्रा वजन उठाया। चीन के झोउ यी ने 216 किग्रा वजन उठाकर गोल्ड जीता, जबकि भारत के मार्गोनो 177 किग्रा वजन के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रहे। चीन के एक अन्य खिलाड़ी झोउ शिवेई ने 210 किग्रा वजन उठाने का प्रयास किया, लेकिन तीनों कोशिशों में असफल रहे। अगर वे एक बार भी सफल होते, तो अशोक दूसरे स्थान से खिसक सकते थे। तीनों प्रयास विफल रहने के कारण झोउ शिवेई का स्कोर दर्ज नहीं हुआ। टेबल टेनिस में 4 ब्रॉन्ज मेडल आएः- भारतीय पैडर्स ने पैरा टेबल टेनिस में चार ब्रॉन्ज जीते। रवि बेबी साहना और प्राची पांडे एशियन पैरा गेम्स की स्टैंडिंग कैटेगरी में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी बने।

भाविना पटेल और सोनलबेन पटेल ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीते। सभी चारों खिलाड़ी अपने-अपने महिला सिंगल्स सेमीफाइनल में पैरालिंपिक मेडल विजेताओं से हार गईं। इन मेडल्स के साथ भारत ने पिछले एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। पिछले संस्करण में भारत ने पैरा टेबल टेनिस में दो ब्रॉन्ज़ मेडल जीते थे।

अफगानिस्तान ट्राई सीरीज के फाइनल में पहुंचा,राशिद को 4 विकेट,जिम्बाब्वे को 158 रन से हराया, अटल का शतक

स्पोर्ट डेस्क। अफगानिस्तान ने यूएई में चल रही ट्राई सीरीज

के दूसरे मैच में जिम्बाब्वे को 158 रन से हराया। इसी के साथ टीम ने टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। जोकि शुक्रवार, 23 अक्टूबर को अबु धाबी के शेख जायेद स्टेडियम में खेला जाएगा। इसी मैदान पर सोमवार रात को अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 294 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 38.4 ओवर में 136 रन पर ऑलआउट हो गई। सेदिकुल्लाह अटल ने शतक लगाया। राशिद खान ने 4 विकेट झटके। अफगानिस्तान बेहतर नेट रन रेट के आधार पर फाइनल में पहुंची है। पॉइंट्स टेबल में तीनों टीमों के पास 2-2 अंक हैं। दूसरे फाइनलिस्ट का फैसला जिम्बाब्वे-बांग्लादेश मैच से होगा। अटल-इब्राहिम में शतकीय साझेदारीः- अफगानिस्तान के ओपनर रहमनुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने अच्छी शुरुआत की। दोनों ने बाउंड्री से शुरुआत की और सात ओवर में 50 रन जोड़ लिए। इसके बाद रहमानुल्लाह गुरबाज चॉप ऑन होकर आउट हो गए। इब्राहिम जादरान ने तेजी से रन बनाए, जबकि सेदिकुल्लाह अटल ने पारी को संभाला। दोनों ने शतकीय साझेदारी की। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने अर्धशतक भी पूरे किए। ब्रैड इवांस ने इब्राहिम को 90 रन पर आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। रहमत शाह और अजमतुल्लाह उमरजई जल्दी-जल्दी आउट हो

गए। यहां से अटल ने हशमतुल्लाह शाहिदी के साथ 42 रन की साझेदारी कर टीम को फिर संभाला। अटल ने 44वें ओवर में अपना तीसरा ओडीआई शतक पूरा किया। अगले ही ओवर में अटल रनआउट हो गए। जिम्बाब्वे की खराब शुरुआतः- 295 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही। उसने 43 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे। 13वें ओवर में एएम गजनफर ने बेनेट को एलबीडब्लू आउट किया। यहां से टीम ने 295 रन के लक्ष्य के बजाय 196 रन तक पहुंचने पर ध्यान दिया। ताकि नेट रन रेट के आधार पर फाइनल में जगह बना सके। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। 32वें ओवर में राशिद खान ने दो ओवर बाद राशिद खान ने रयान बर्ल को एलबीडब्लू किया। इसके बाद उन्होंने लगातार अपने अगले तीन ओवर में विकेट लिए। इससे अफगानिस्तान की जीत लगभग तय हो गई।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर 30 दिन का बैन,पुर्तगाली फुटबॉल फेडरेशन ने ट्रेनिंग कैंप छोड़ने पर यूरो255 जुर्माना लगाया

स्पोर्ट डेस्क। पुर्तगाली फुटबॉल फेडरेशन ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर 30 दिन का बैन लगाया है। उन पर करीब 27,154 रुपए (यूरो255) का जुर्माना भी लगाया गया है। फेडरेशन ने यह कार्रवाई पुर्तगाल के ट्रेनिंग कैंप से जाने के मामले में की। रोनाल्डो ने हालिया इंटरनेशनल ब्रेक के दौरान कैंप छोड़ा था। यह फैसला 30 सितंबर से लागू माना गया है। इसलिए रोनाल्डो 14 नवंबर को पुर्तगाल के अगले इंटरनेशनल मैच से वापसी कर सकेंगे। 41 साल के फॉरवर्ड के खिलाफ फेडरेशन ने औपचारिक कार्रवाई शुरू की थी। वह टीम के कप्तान भी हैं। कोच पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया थाः- सितंबर के आखिर में नॉर्वे के खिलाफ पुर्तगाल की 2-1 की जीत के दौरान रोनाल्डो बेंच पर बैठे रहे थे। इसके बाद उनकी कोच जॉर्ज

जीसस से कहासुनी हुई थी। रोनाल्डो का दावा था कि जीसस ने उन्हें पहले करीब 30 मिनट खिलाने का भरोसा दिया था। मैच के दौरान जीसस ने उन्हें वॉर्म-अप करने को कहा, लेकिन मैदान पर नहीं उतारा। रोनाल्डो इस फैसले से नाराज थे। उन्हें लगा कि कोच ने उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया। रोनाल्डो ने यह भी आरोप लगाया था कि जीसस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्थिति पर सार्वजनिक रूप से सफाई देने का दूसरा वादा किया था। बाद में ऐसा नहीं हुआ। डेनमार्क मैच से पहले कैंप छोड़ा थाः- तनाव बढ़ने के बाद अल-नसर के कप्तान ने डेनमार्क के खिलाफ मैच से पहले पुर्तगाल का ट्रेनिंग कैंप छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने अपने साथियों और समर्थकों से सार्वजनिक रूप से लंबी माफी मांगी। उन्होंने माना कि राष्ट्रीय टीम छोड़ने पर उन्हें सजा मिलनी चाहिए। अल-नस्र के फॉरवर्ड ने उचित सजा देने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि रोल मॉडल होने के कारण उनके काम की सख्ती से जांच जरूरी है। जीसस के फैसलों की आलोचना के बावजूद पुर्तगाल के कप्तान ने कहा कि वह अपने फैसले के नतीजे स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। 10 अक्टूबर को शुरू हुई थी कार्रवाईः- 10 अक्टूबर को पुर्तगाली फुटबॉल फेडरेशन ने बताया था कि उसने रोनाल्डो के खिलाफ औपचारिक अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है।

अंतिम फैसले तक रोनाल्डो पर बैन लगने की संभावना बनी हुई थी। अब फेडरेशन ने 30 दिन का बैन और यूरो255 का जुर्माना लगाया है। इस वजह से वह 14 नवंबर को वापसी कर सकेंगे। उस दिन पुर्तगाल का अगला इंटरनेशनल मैच तय है।

विदेशों में आजकल फुटपाथ की भी 'आंखें' होती हैं

शिकागो के एक छोटे-से बोडेगा (किराना दुकान) की हरी रोशनी गीले डामर पर फैल रही थी। मार्कस (काल्पनिक नाम) ने अपनी घड़ी देखी। वह पूरे चालीस

मिनट से उस सड़क पर बेचैनी के साथ नजर रखे हुए था, जहां पहली दुकान के पास वह खड़ा था और सातवीं दुकान तक उसे पहुंचना था। वहां न पुलिस की गाड़ियां थीं, न पैदल गश्त करने वाले जवान और न ही अंडरकवर एजेंट्स। वह पूरा ब्लॉक उसका था। उसने चेहरे का निचला हिस्सा छिपाने के लिए कॉलर ऊपर चढ़ाया और काला चश्मा पहन लिया। फिर बाहर निकलकर उसने जानबूझकर लंगड़ाने का स्वांग किया। यह भ्रम पैदा करने की एक बेजोड़ तरकीब थी। ऊपर लगे कैमरों को उसके कपड़ों के सिवा कुछ नहीं दिख रहा था और चाल-ढाल का विश्लेषण करने वाले एल्गोरिदम उसे किसी अनजान व्यक्ति के रूप में ही दर्ज करते। मार्कस ने सिर झुकाए रखा और उसकी नजरें सड़क पर पड़ी दरारों पर टिकी रहीं। उसने अपने ईयरपीस का बटन दबाया और फुसफुसाया, 'मैं अब निकल रहा हूं। मेरे वहां से निकलने तक किसी बाहरी आदमी को अंदर मत आने देना।' वह बेहद तेजी से आगे बढ़ा। सातवीं दुकान तक पहुंचने में उसे ठीक एक मिनट लगा। लेकिन इसके तीन मिनट बाद ही वह स्ट्रीट लाल और नीली बत्तियों से जगमगा उठी। मार्कस अपने औजारों का बैग निकालने के लिए हाथ बढ़ा भी नहीं पाया था कि उसकी कलाइयों पर हथकड़ियां कस दी गईं। पुलिस लॉकअप में बैठा मार्कस उस एक मिनट की अपनी चहलकदमी को बार-बार याद कर रहा था। वहां सादे कपड़ों में कोई पुलिसकर्मी नहीं था, न कोई गवाह। उसने सिर झुकाकर रखा था और अपने सहयोगी से बात करते हुए डामर पर ही नजरें टिकाए रखी थीं। फिर पुलिस को खबर किसने दी? उसके स्वांग का भेद खोलकर उसे किसने पहचान लिया था? तभी उसे एक अजीब-सी बात याद आई। रास्ते में वह प्लास्टिक के एक छोटे-से डिब्बे से बचकर निकला था। वह चार पहियों वाला एक फूड डिलीवरी रोबोट था, जो बर्गर का ऑर्डर लेकर फुटपाथ पर धीरे-धीरे डोलता हुआ आगे बढ़ रहा था। जल्दबाजी में उसके पास से निकलते हुए मार्कस ने उसे गाली भी दी थी। अचानक जैसे उसके दिमाग में बिजली कौंधी। तो क्या वह रोबोट ही मुखबिर था! ऊपर लगे कैमरों से बचने के लिए सिर झुकाकर चलने के फेर में उसने सीधे फुटपाथ पर चलने वाले उस रोबोट के लो-एंगल नेविगेशन कैमरों में देख लिया था। मशीन से कुछ ही फीट ऊपर बड़बड़ाने से उसकी भारी, खुरदरी आवाज भी रोबोट के उच्च-गुणवत्ता वाले माइक्रोफोन में रिकॉर्ड हो गई थी। रोबोट के एआई ने ऑडियो का विश्लेषण किया, स्थानीय पुलिस के वांछित अपराधियों के रिकॉर्ड से उसकी आवाज का मिलान किया और उसके को-ऑर्डिनेट्स निकटतम पुलिस थाने को भेज दिए। एक टैको डिलीवरी ने उसकी पहचान उजागर कर दी थी! मार्कस की कहानी भले ही फिल्मों के लिए भविष्य की कोई फिक्शनल स्टोरी हो, लेकिन यह टेक्नोलॉजी दुनिया के कुछ बड़े शहरों की सड़कों पर पहले ही घूम रही है। इलिनॉय में चल रही एक तीखी कानूनी लड़ाई हमें यह सवाल पूछने पर मजबूर कर रही है कि ये सुविधाजनक छोटी मशीनें हमारी मददगार हैं या गुप्त मुखबिर? इस सप्ताह शिकागो की कुक काउंटी में दायर मुकदमों में कोको रोबोटिक्स और सर्व रोबोटिक्स निशाने पर हैं। ये दोनों इस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां हैं और इनके स्वचालित रोबोट्स, अर्बन फूड डिलीवरी का आम दृश्य बन चुके हैं। मुकदमों में आरोप लगाया गया है कि ये रोवर्स बिना किसी की सहमति के अपने कैमरों और लाई-डीएआर सेंसरों की मदद से ग्राहकों के चेहरे, हाथ और बायोमेट्रिक्स को चुपचाप स्कैन करते रहते हैं। दोनों कंपनियों ने इन आरोपों का दृढ़ता से खंडन किया है। आरोपों में दावा किया गया है कि इस तरह जुटाए गए डेटा का इस्तेमाल कंपनियों के अपने एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने और उन्हें सर्विस देने वाली थर्ड पार्टियों के साथ साझा करने के लिए किया जाता है। कंपनियों का कहना है कि रोबोट में लगे सेंसरों का इस्तेमाल केवल ऑपरेशनल कार्यों के लिए होता है, जैसे दूरी का आकलन करना, रास्ते में आने वाली बाधाओं से बचना और मनुष्यों या आवारा पशुओं के हस्तक्षेप के बिना शहर के फुटपाथों पर सुरक्षित ढंग से चलते रहना। उनका दावा है कि उनके सिस्टम्स स्थायी बायोमेट्रिक्स प्रोफाइल नहीं बनाते, न ही किसी की निगरानी या पहचान करते हैं। फिर भी, यह कानूनी टकराव निजता की बहस के एक नए और चिंताजनक आयाम को उजागर करता है।

जैसे-जैसे स्वचालित मशीनें हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सहजता से घुलती-मिलती जा रही हैं, सार्वजनिक सुविधा और व्यापक निगरानी के बीच की रेखा भी धुंधलाती जा रही है। फंडा यह है कि दीपावली की इन छुट्टियों में अगर आप विदेश जाएं, तो याद रखें कि साइड-वॉक्स की भी आंखें होती हैं। और अगली बार जब आप सड़क पर चार पहियों वाले किसी प्यारे-से रोबोट को डगमगाते हुए खाना पहुंचाते देखें और उसे देखते हुए ऊंची आवाज में कुछ कहें, तो यह भी हो सकता है कि वह आपके बारे में नोट्स ले रहा हो! एन. रघुरामन

त्योहारों के दौरान स्कूल और पैरेंट्स बच्चों का रीजनल नॉलेज बढ़ा सकते हैं

मुझे आज भी वह दृश्य अच्छे-से याद है। वह आंटी प्रार्थना कर रही थीं और जोर

से बोलीं, 'मां दुर्गा, कृपया मेरे परिवार की रक्षा करना।' मैंने तुरंत उनका पल्लू खींचा और कहा कि 'आंटी, इस अवतार में इन्हें मां काली कहते हैं।' मेरे बगल में खड़ीं मां ने चुप कराने के लिए मेरे सिर पर मार दिया। आंटी कुछ सेकंड तक मुझे देखकर मुस्कराईं और फिर अपनी प्रार्थना करने लगीं। लेकिन इस बार उन्होंने 'मां काली' कहा। हममें से ज्यादातर लोगों को देवी का वह लोकप्रिय रूप याद होगा, जिसमें उन्हें मुंडमाला पहने और रक्त-रंजित जीभ बाहर निकाले हुए दिखाया जाता है। उस पंडाल में देवी इसी अवतार में थीं। बाहर आकर मां ने पूछा, 'काली क्यों?' मैंने कहा कि 'घोष टीचर ने बताया था कि बंगाल में इस अवतार को मां काली कहते हैं और दीपावली की रात उनकी भी पूजा होती है। शाक्त परंपरा में महाकाली को ताकतवर राक्षस रक्तबीज का संहार करने वाली देवी के रूप में दिखाया गया है। उत्तर प्रदेश के विंध्याचल में 'त्रिकोण परिक्रमा' के एक अभिन्न हिस्से के रूप में भी मां काली की पूजा की जाती है।' उस अनजान महिला ने मेरे सिर पर हाथ फेरा और मेरी तारीफ की। पहली बार मैंने मां को आश्चर्य से आंखें फैलाकर मेरी बात सुनते देखा। इसका श्रेय नागपुर के हमारे स्कूल सरस्वती विद्यालय को जाता है, जहां त्योहारों की छुट्टियों से ठीक पहले जनरल नॉलेज की कक्षाएं लगती थीं। दशहरा भी इसका अपवाद नहीं था। ये कक्षाएं खासतौर पर दिलचस्प होती थीं, क्योंकि अलग-अलग क्षेत्रों में देवी के विभिन्न रूपों की पूजा की जाती है और हर रूप के साथ वहां की एक स्थानीय कहानी जुड़ी होती है। अलग-अलग राज्यों से आए हमारे शिक्षक अपने-अपने क्षेत्रों की लोककथाएं जुटाते और उन्हें जीके की विशेष कक्षा में साझा करते थे। वे बारी-बारी से ये कहानियां सुनाते थे और कभी-कभी उन्हें जीवंत बनाने के लिए तस्वीरों का भी इस्तेमाल करते थे। कुछ कहानियों में बताया जाता था कि देवी ने किस तरह किसी गांव की रक्षा की, जबकि अन्य में देवियों द्वारा बारिश कराए जाने, बीमारियां ठीक करने या पारिवारिक परेशानियां दूर करने की कहानियां होती थीं। इनमें सबसे दिलचस्प कहानियां 'ग्राम देवी' की होती थीं, जिनके बारे में मान्यता है कि वे स्थानीय समुदाय की रक्षा करती थीं। तमिलनाडु के मंदिरों के शहर कुंभकोणम में हमारे गांव में उन्हें 'मारी-अम्मन' के रूप में पूजा जाता है। यहां अम्मन का अर्थ मां और मारी का मतलब बारिश है। आज भी जब मैं कुंभकोणम जाता हूं, तो मारी-अम्मन मंदिर को अपने यात्रा कार्यक्रम में शामिल करना नहीं भूलता। क्योंकि माना जाता है कि वे हमारे गांव की रक्षा करती हैं। ऐसी मान्यता है कि उनकी प्रार्थना करने से न सिर्फ हमारे बच्चे बीमारियों से बचे रहते हैं, बल्कि पुराने दिनों में इससे स्मॉल पॉक्स जैसी खतरनाक बीमारियां भी ठीक हो जाती थीं। इसके बाद शिक्षकों ने हमें महाराष्ट्र की देवी के बारे में बताया। स्कंद पुराण के अनुसार धाराशिव स्थित तुलजा भवानी को 'त्वरिता भवानी' के नाम से जाना जाता था। इसमें बताया गया है कि भक्तों के आग्रह पर देवी ने महिषासुर का वध किया था। कालान्तर में 'त्वरिता' शब्द 'तुलजा' बन गया। इतिहास के अनुसार, वे छत्रपति शिवाजी महाराज की भी कुल देवी थीं। यह जानना दिलचस्प था कि दुर्गा और गरबा जैसे कई शब्दों के पीछे भी कहानियां हैं। दुर्गा का अर्थ अजेय या दुर्गम हो सकता है। 'अजेय' का अर्थ है जिसे हराया या जीता न जा सके। 'दुर्गम' का अर्थ है ऐसी जगह, जहां पहुंचना मुश्किल हो। यही वजह है कि गुजरात में गिरनार की ऊंची चोटियों पर स्थित मां के मंदिरों तक पहुंचना आसान नहीं है। वहां अधिष्ठात्री देवी अंबाजी के रूप में मां की पूजा होती है और उनके इस स्थान को 'दुर्गम' कहा जाता है, यानी ऐसी जगह जहां पहुंचना कठिन हो। छेद वाले मिट्टी के घड़े में जलता हुआ दीपक रखकर उसके चारों ओर किए जाने वाले गरबा नृत्य का नाम 'गर्भ' शब्द से पड़ा है। यह अंबाजी के गर्भ का अमूर्त रूप है। हिमाचल प्रदेश में देवी की पूजा बेहद लोकप्रिय है। वहां ग्राम देवी को समुदाय के मुखिया के रूप में माना जाता है। हिमाचल प्रदेश में कई शक्तिपीठ भी हैं। फंडा यह है कि बच्चों के साथ दशहरा पंडालों में जाते समय पैरेंट्स उन्हें ऐसी कहानियां सुनाएं या स्कूल जनरल नॉलेज कक्षाओं के जरिए उन्हें हमारे क्षेत्रीय रीति-रिवाजों के बारे में जागरूक करें। इससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सकेगा। एन. रघुरामन

पीछे लौटकर नगद भुगतान के दौर में जाना अब मुमकिन नहीं

वित्तीय क्षेत्र में डिजिटलीकरण के माध्यम से हमें कई सुविधाएं मिली हैं। इसके कारण ही क्लाइंटों के खाते

मेंटेन करने, उनके लेन-देन का हिसाब रखने, उन्हें विभिन्न वित्तीय उत्पाद ऑनलाइन देने, उनके खाते अपडेट रखने और डिजिटल लेनदेन को सक्षम बनाने जैसे बैंकिंग कार्य आसान हुए हैं। इसका उद्देश्य डिजिटल ट्रांसफर के जरिए कम नकदी की जरूरत वाली व्यवस्था की ओर बढ़कर वित्तीय संस्थानों के कामकाज को सरल बनाना भी था। अंतरराष्ट्रीय मनी ट्रांसफर की सुविधा भी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराई गई, ताकि ग्राहकों को बैंकों तक जाने की जरूरत न पड़े। इससे लगभग 9 हजार बैंक शाखाओं को बंद करने या मर्ज करने और इतनी ही शाखाओं को ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ाने में मदद मिली। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि करंसी नोट छापने की जरूरत कम हो गई। ये सारे प्रयास वित्तीय संस्थानों के कामकाज में बदलाव लाने, उनमें लोगों की आवाजाही कम करने और आमने-सामने की मुलाकातें घटाने के लिए किए गए थे। इसके बाद मोबाइल बैंकिंग को बढ़ावा मिला, जिसने यूपीआई को सम्भव बनाया। वित्तीय संस्थानों ने अपनी कारोबारी प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए टेक्नोलॉजी का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया। और हां, इस व्यवस्था की अपनी एक लागत भी है। फिर डाकघरों और सहकारी बैंकों का भी डिजिटलीकरण हुआ और सारे वित्तीय संस्थानों के भीतर और उनके बीच के लेनदेन के डिजिटल फुटप्रिंट तैयार होने लगे। फिनटेक की टेक्नोलॉजी की लागत, मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) और क्रेडिट कार्ड की पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों ने वित्तीय संस्थानों को खुदरा लेन-देन में सक्षम बनाया। इससे डिजिटल भुगतान अंतिम छोर तक पहुंच गया। लेकिन अब बहस का मुद्दा यह है कि वित्तीय संस्थानों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए डिजिटलीकरण पर जो खर्च हुआ- जिसका लाभ अंततः उपभोक्ता तक ही पहुंचा है- उसकी लागत कौन वहन करे? इस लागत को खर्च के रूप में दर्ज किया जाता है और इसलिए इसकी पूरी भरपाई भी होनी है। लेकिन इस प्रक्रिया में उस भारी बचत को अनदेखा किया जा रहा है, जो करंसी नोट छापने की जरूरत घटने, खातों को अपडेट रखने में आसानी होने, क्लाइंटों से आमने-सामने मिलने की आवश्यकता घटने आदि सुविधाओं से हुई है। इन सबने पारदर्शिता बढ़ाई है और रीयल-टाइम अपडेट आसान हुआ है। इस सबसे रिजर्व बैंक समेत अन्य वित्तीय संस्थानों को भारी बचत हुई है। इसलिए इस व्यवस्था को बाधित करने के बजाय यह जरूरी है कि इस लागत को आरबीआई और बैंकिंग संस्थान स्वयं वहन करें। एमडीआर की लागत को व्यापारियों पर डालने के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। 83फीसदी दुकानदार इसका भुगतान करने से इनकार कर रहे हैं। आशंका यह भी है कि यदि यह लागत उपभोक्ताओं पर डाली गई, तो 86फीसदी उपभोक्ता यूपीआई के जरिए भुगतान से बचने लगेंगे। इससे खुदरा भुगतान के क्षेत्र में डिजिटलीकरण से मिली सफलता लड़खड़ा जाएगी। व्यापारियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पहले से दिखाई देने लगा है। उन्होंने दो हजार रुपए से अधिक के भुगतान यूपीआई से लेना बंद कर दिया है और नकद मांगने लगे हैं। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को नुकसान न पहुंचे। टेक्नोलॉजी की लागत उन संस्थानों को वहन करनी चाहिए, जिन्हें इससे लाभ मिलता है- यानी आरबीआई और बैंक। उपलब्ध विकल्पों पर ध्यान देना चाहिए। नोटबंदी के बाद से बाजार में नकदी 15 लाख करोड़ से बढ़कर 41 लाख करोड़ रुपए हो गई है, यानी लगभग तीन गुना। ऐसे में डिजिटल भुगतान में एमडीआर का वजन ऐसे कारोबारियों पर नहीं डालना चाहिए, जिनके कारोबार में इसकी गुंजाइश ही नहीं है। भले ही उपभोक्ताओं पर सीधे कोई शुल्क लगाने की वकालत नहीं की जा रही हो, लेकिन व्यापारियों के सामने दो ही विकल्प बचते हैं- या तो वे इसकी कीमत खुद वहन करें या फिर से नकदी लेन-देन शुरू कर दें। तीसरा विकल्प यह है कि वे इस लागत को उपभोक्ता पर डाल दें। लेकिन क्या ये वांछनीय विकल्प हैं? यूपीआई से रिजर्व बैंक समेत अन्य वित्तीय संस्थानों को भारी बचत हुई है। उन्हें कम करंसी नोट छापने पड़े हैं। ऐसे में इसे बाधित करने के बजाय यह जरूरी है कि इसकी लागत को आरबीआई और अन्य संस्थान स्वयं वहन करें। (ये लेखिका के अपने विचार हैं, डॉ. अरुणा शर्मा)

मस्क, आल्टमैन व जकरबर्ग? पर फिल्में हमें क्या बताती हैं?

मैं कई वर्षों से फोर्ब्स की अरबपतियों की सूची का विश्लेषण कर रहा हूं, ताकि उन देशों की पहचान कर सकूं, जहां

सम्पत्ति की बढ़ती असमानता सामाजिक उथल-पुथल का कारण बन सकती है। इसके पीछे एक प्रमुख धारणा यह है कि जहां सम्पत्ति का प्रवाह टेक्नोलॉजी जैसे इनोवेटिव और उत्पादकता बढ़ाने वाले क्षेत्रों के 'गुड बिलियनेअर्स' की ओर होता है, वहां इस खतरे की आशंका कम होती है। इसके विपरीत, रियल एस्टेट और खनन जैसे उद्योगों में 'बैड बिलियनेअर्स' के उभरने पर यह खतरा बढ़ जाता है, क्योंकि इन क्षेत्रों की रेगुलेटरी तंत्र पर हावी होने की प्रवृत्ति होती है। लेकिन हॉलीवुड अब इस कहानी की पटकथा बदल रहा है। 2000 में डॉटकॉम बबल फूटने के बाद धीरे-धीरे आई फिल्में या तो उत्सवधर्मी थीं या फिर लालच में पड़ गए 'नड्र्स' (तकनीक-प्रेमी लोगों) की आंशिक रूप से हास्यपूर्ण त्रासदियां। लेकिन अब ऐसी फिल्मों की बाढ़ आ रही है, जो यूनानी त्रासदियों के अधिक करीब हैं और सिलिकॉन वैली के अरबपतियों को उनकी महत्त्वाकांक्षाओं और उदासीनता के लिए कठघरे में खड़ा करती हैं। इन फिल्मों के निशाने पर सैम ऑल्टमैन ('आर्टिफिशियल'), मार्क जकरबर्ग ('द सोशल रेकनिंग') और इलॉन मस्क ('मस्क') हैं। ऐसी और फिल्में भी आने वाली हैं। इन नई फिल्मों को देखकर मैं सोचने लगा कि ऐसा क्यों हो रहा है और इसका परिणाम क्या होगा। किसी आर्थिक संकट के बाद कॉर्पोरेट्स को निशाना बनाना हॉलीवुड की पुरानी प्रवृत्ति रही है- जैसा कि 2008 के वित्तीय संकट के बाद हुआ था। लेकिन एआई की तेजी अभी भी पूरी रफ्तार से जारी है। अमेरिकियों ने इन टेक-बिलियनेअर्स में अपना पैसा लगाया हुआ है और वे उनके उत्पादों तथा सेवाओं को तेजी से अपना रहे हैं- फिर भी उनमें उनके प्रति निराशा लगातार बढ़ रही है। यह नाराजगी निजी स्तर पर है। डॉटकॉम के दौर में अमेरिकी जनता ने डिजिटल क्रांति को खुले दिल से अपनाया था, लेकिन हाल के वर्षों में उसने टेक-जगत के सबसे बड़े सितारों से मुंह मोड़ लिया है। मस्क और जकरबर्ग की लोकप्रियता रेटिंग्स अब निगेटिव में पहुंच चुकी हैं। आमतौर पर अमेरिकी जनता से अधिक वामपंथी रुझान रखने वाला हॉलीवुड अब बिग टेक के सीईओ को 'बैड बिलियनेअर्स' के रूप में पेश करने के मामले में मुख्यधारा के रुख के करीब दिखाई देता है। इससे संकेत मिलता है कि समय के साथ जनता की प्रतिक्रिया और तीखी हो सकती है। इन फिल्मों में एक प्रमुख विषय यह है कि सिलिकॉन वैली अहंकार और दर्प से ग्रस्त हो चुकी है। 'आर्टिफिशियल' के निर्देशक लुका ग्वाडानिनो ने सैम ऑल्टमैन को इस पर विचार करते दिखाया है कि एआई ने 'पैंडोरा का जो पिटारा' खोल दिया है, वह देशों और उद्योगों को धराशायी कर देगा, जबकि इसके उलट हम लोगों को नई दुनिया में ले जाने का दावा कर रहे हैं। वहीं, 'मस्क' के निर्देशक एलेक्स गिबनी अपनी फिल्म के नायक की सबसे बड़ी कमजोरी यह बताते हैं कि उसे अपने उद्देश्य की श्रेष्ठता पर अंधा विश्वास है। उसे लगता है कि उस उद्देश्य को हासिल करने के लिए उसे कुछ भी कर गुजरने की अनुमति मिलनी चाहिए। अब इन अरबपतियों को अवसरवादी और एकाधिकारवादी के रूप में देखा जाने लगा है, जिनकी सत्ता प्रतिष्ठान से सांठगांठ है। यह छवि उन्हें पर्दे पर खलनायक बनाने के लिए मुफीद है। 'मस्क' का दूसरा आधा हिस्सा इस बात पर केंद्रित है कि टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख ने ट्रम्प के लिए तथाकथित 'डीप स्टेट' को ध्वस्त करने की कोशिश कैसे बेतरतीब ढंग से की। वहीं 'द सोशल रेकनिंग' के निर्देशक आरोन सोर्किन ने जकरबर्ग को डींगें हांकते दिखाया है कि फेसबुक दुनिया के सबसे बड़े देश से भी दोगुना बड़ा है और इसलिए वह सरकारों से परे है तथा अमेरिकी सरकार से नहीं डरता। सोर्किन ने इससे पहले 2010 में आई फिल्म 'द सोशल नेटवर्क' की भी पटकथा लिखी थी, लेकिन उनकी नई फिल्म में जकरबर्ग का किरदार पहले से अधिक निष्ठुर और संवेदनहीन है। ये फिल्में अमेरिका में व्याप्त सत्ता-विरोधी मनोस्थिति को दिखाती हैं। एआई की उत्पादकता और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की क्षमता को देखते हुए मेरे विचार से अभी इस लहर में बहने की जल्दबाजी करना ठीक नहीं होगा। लेकिन अमीरों के प्रति लोगों की धारणाओं में बदलाव सामाजिक अशांति का संकेत हो सकता है। आज के माहौल में तकनीकी क्षेत्र के दिग्गजों को 'अच्छे' अरबपतियों की सूची में बनाए रखना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। टेक-जगत के इन अरबपतियों को अब अवसरवादी व एकाधिकारवादी के रूप में देखा जाने लगा है, जिनकी सत्ता प्रतिष्ठान से सांठगांठ है। यह छवि उन्हें परदे पर खलनायक बनाने के लिए मुफीद है। लोगों में उनके प्रति नाराजगी दिखती है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,रुचिर शर्मा)

वो भाग्यशाली होते हैं, जिनके जीवन में भक्ति का प्रवेश हो

हम इंसानों की जिंदगी 'मनचाहा' और 'अनचाहा' के बीच में झूलती रहती है। सुख मनचाहा है और दुख अनचाहा। तुलसीदास जी ने एक सूत्र दिया है।

यदि ऐसा सुख चाहते हो, जिसके पीछे दुख न आए तो उन्होंने सुख की खान बताई है- भक्ति। इसीलिए काकभुशुंडि जी ने कहा- सब सुख खानि भगति तैं मागी। नहिं जग कोउ तोहि सम बड़भागी।

जब मैंने राम जी से भक्ति मांगी तो राम जी ने मुझसे यह बोला कि तूने सब सुखों की खान भक्ति मांग ली है, जगत में तेरे समान बड़भागी कोई नहीं। तो वो भाग्यशाली हैं, जिनके जीवन में भक्ति आ जाए।

लेकिन कुछ दुर्भाग्यशाली ऐसे भी हैं, जो भक्ति आने के बाद भी दुरुपयोग कर जाते हैं। उनमें से एक था रावण। रावण शिवभक्त था,

शिवजी ने उसको भक्ति भी प्रदान की, पर रावण उसका दुरुपयोग कर गया। विजयदशमी के दिन आज हम व्यक्ति रावण से न जुड़ें,

बल्कि मनुष्य के मनोविज्ञान से जुड़ें कि भक्ति आने पर भी लोग उसका सदुपयोग नहीं कर पाते। नतीजे में कोई भी रावण बन सकता है। पं. विजयशंकर मेहता

इंजीनियरिंग हर बच्चे के लिए अपना प्यार जताने का एक ब्लूप्रिंट है

कहते हैं कि आवश्यकता आविष्कार की जननी है। लेकिन पारंपरिक और मेहनतकश परिवारों में पल-बढ़ रहे कई बच्चों के लिए आविष्कार की असली जननी उनकी मां ही होती हैं। पीढ़ियों से बच्चे देखते आए हैं कि उनकी मांएं रसोई और घर के दूसरे कामों में लगातार और अकेले मुश्किलों का सामना करती हैं। बचपन में उनके लिए हमारा प्यार छोटे-छोटे कामों में दिखता था- छोटे बर्तनों में पानी लाना, मैले कपड़ों की सफाई की कोशिश, सब्जियां छीलना या किसी कोने में झाड़ू लगाना। लेकिन समय के साथ कॉलेज और जॉब ने हमें उनसे दूर कर दिया और हमारी मांएं शारीरिक मेहनत का बोझ अकेले उठाती रहीं। जिनके पास अतिरिक्त पैसे थे, उन्होंने इसका हल पैसे से निकाला- वॉशिंग मशीन, मिक्सर-ग्राइंडर या आधुनिक कुकिंग स्टोव खरीदे। लेकिन उन परिवारों का क्या, जिनके पास महंगे कंज्यूमर अप्लायंसेस खरीदने के पैसे नहीं हों, लेकिन मां के लिए बच्चे का प्यार उतना ही गहरा हो? ऐसे ही हैं केरलम के 12 वर्षीय स्कूली छात्र लेविन पॉलोज। अपनी मां की रोज की थकान कम करने की गहरी इच्छा से प्रेरित होकर लेविन ने साबित कर दिखाया कि गहरे प्रेम में वैज्ञानिक सोच को जन्म देने की अनोखी ताकत होती है। किसी बजट और आधुनिक लैब के बिना उन्होंने घर को इंजीनियरिंग की 'डू इट योरसेल्फ' वाली जगह में बदल दिया। अपने विशुद्ध समर्पण और बेकार चीजों के जरिए उन्होंने कारगर रोबोटिक्स उपकरण बना डाले। जहां दूसरे लोगों को कचरा दिखता था, वहां लेविन को अपनी मां की थकान दूर करने के उपाय दिखते। अपनी कल्पनाशक्ति के जरिए उन्होंने स्क्रैप मटेरियल से मां को राहत देने वाले ऑटोमेटेड उपकरण बनाए। महज कार्डबोर्ड, पुराने तारों, यूज्ड बैटरियों, छोटी इलेक्ट्रिक मोटरों, धागों और प्लास्टिक स्क्रैप से उन्होंने घरेलू कामकाज में मदद करने वाली कई चीजें बनाईं। इनमें से कुछ यहां पेश हैं:-ऑटोमेटेड फूड स्टिरर और रोटी मेकरः लगातार खाना बनाने की शारीरिक मेहनत कम करने के लिए लेविन ने एक मोटराइज्ड डिवाइस बनाई, जिसे बर्तनों के ऊपर रखा जा सकता है। यह अपने आप खाने को चलाता रहता है, जिससे मां गर्म स्टोव से दूर रह सकती हैं। साथ ही उन्होंने फूड-स्ट्रेनिंग टूल्स और एक 'डू इट योरसेल्फ' रोटी-मेकर भी बनाया। रोबोटिक फ्लोर क्लीनरः साधारण प्लास्टिक कंटेनरों, सामान्य पुर्जों और छोटी मोटरों के इस्तेमाल से बना कारगर वैक्यूम क्लीनर झाड़ू लगाते वक्त झुकने से होने वाली तकलीफ को दूर करता है। वेस्ट एंड वॉटर असिस्टेंटः उन्होंने अपनी इंजीनियरिंग घर के बाहर भी आजमाई। पानी लाने और घरेलू कचरे के निपटारे के लिए उन्होंने ऑटोमेटेड सिस्टम बनाया, जिसने हाथों की मेहनत को काफी घटा दिया। कार्डबोर्ड ह्यूमनॉइडः अपने प्रयासों को एक मुकाम देते हुए उन्होंने यह दिखाने के लिए कार्डबोर्ड का एक पूरा ह्यूमनॉइड रोबोट स्ट्रक्चर बनाया कि कैसे एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक सर्किट इंसानी काम भी कर सकते हैं। रिमोट-कंट्रोल्ड कर्टेन मूवरः भारी पर्दों को खींचने में होने वाली परेशानी को समझ कर लेविन ने खिड़कियों के ऊपर एक मोटराइज्ड ट्रैक लगा दिया। इससे रिमोट का बटन दबाते ही पर्दे आसानी से खुल और बंद हो सकते हैं। लेविन की कहानी इंटरनेट सेंसेशन बन गई, क्योंकि उन्होंने अपनी मुश्किलों को छिपाया नहीं। यह कोशिश और गलतियां करने की एक सहज खूबसूरती थी।

अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वह स्वाभाविक इंजीनियरिंग प्रोसेस शेयर करते हैं। दर्शक महज चमकदार और तैयार गैजेट ही नहीं देखते, बल्कि जटिल वायरिंग, विफल कोशिशें, नाकाम हुए स्पार्क्स भी देखते हैं और यह भी कि लेविन अपनी गलतियों को कितने धैर्यपूर्वक पहचानते हैं।

उनके इसी जुझारूपन ने सरकार के उच्चतम स्तर का ध्यान खींचा। केरलम के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने उन्हें सम्मानित किया और लगभग बिना किसी संसाधन के हाई-लेवल ऑटोमेशन के उपकरण बनाने के लिए इस यंग इनोवेटर की तारीफ की। इंजीनियरिंग को एक ऑब्जर्वेशन सब्जेक्ट के तौर पर बच्चों को इंट्रोड्यूस कराना चाहिए। उनसे कहिए कि घर के आसपास नजरें घुमाएं और देखें कि पैरेंट्स, ग्रैंड पैरेंट्स और भाई-बहनों को किन कामों में परेशानी हो रही है।

कौन से ऐसे बार-बार किए जाने वाले और थकाऊ काम हैं, जिनसे दिन खत्म होते-होते वे आहें भरने लगते हैं? फिर बच्चों की हमदर्दी को इनोवेशन में बदलने में उनकी मदद कीजिए।

फंडा यह है कि इंजीनियरिंग सिर्फ अकादमिक विषय ही नहीं, बल्कि आपके प्रियजनों की केयर करने का साधन भी है। यह हर उस बच्चे के लिए एक ब्लूप्रिंट है, जो इंजीनियरिंग के जरिए दूसरों की मदद करना चाहता है। एन. रघुरामन

ट्रम्प मिडटर्म चुनाव हार सकते हैं,उन्हीं की पार्टी के उम्मीदवार दूरी बना रहे,महंगाई और ईरान जंग से लोकप्रियता घटी

वॉशिंगटन।लेकिन महंगाई की वजह से उन्हें इसका फायदा नहीं मिला। रॉयटर्स-इप्सोस के

सर्वे में 78फीसदी लोगों ने कहा कि चीजों के दाम उनकी कमाई से ज्यादा तेजी से बढ़ रहे हैं। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, 65फीसदी अमेरिकी मानते हैं कि महंगाई के लिए ट्रम्प की नीतियां जिम्मेदार हैं।राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के मुताबिक लगभग 37फीसदी से अधिक अमेरिकी महंगाई और बढ़ती कीमतों को देश की सबसे बड़ी और गंभीर समस्या मानते हैं। ऐसे में महंगाई कम करना राष्ट्रपति ट्रम्प के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। 3. ईरान जंग से बढ़ी मुश्किल, विदेश नीति से भी नाराज लोगः-ईरान के साथ जंग ट्रम्प के लिए एक और परेशानी बन गई है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, जंग के कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर दबाव बढ़ा है। इससे अमेरिकी लोगों का रोजमर्रा का खर्च बढ़ सकता है।एनबीसी न्यूज के सर्वे में सिर्फ 29फीसदी लोगों ने ईरान जंग को संभालने के ट्रम्प के तरीके को सही माना। वहीं, फॉक्स न्यूज के सर्वे में 64फीसदी लोगों ने उनकी विदेश नीति को गलत बताया। हालांकि, ट्रम्प की अपनी पार्टी रिपब्लिकन के समर्थकों में उन्हें अब भी समर्थन मिल रहा है। एपी के सर्वे में 69फीसदी रिपब्लिकन मतदाताओं ने उनकी विदेश नीति को सही माना। ईरान जंग का चुनाव पर कितना असर पड़ेगा, यह अभी साफ नहीं है। लेकिन अगर जंग के कारण पेट्रोल-डीजल महंगा होता है और लोग ट्रम्प की नीतियों से नाराज रहते हैं, तो इसका नुकसान उनकी रिपब्लिकन पार्टी को हो सकता है। 4. अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार ट्रम्प से दूरी बनाने लगेः-ट्रम्प की लोकप्रियता घटने का असर उनकी अपनी पार्टी पर भी दिख रहा है। रॉयटर्स की अक्टूबर में आई रिपोर्ट के मुताबिक, मुकाबले वाली 62 सीटों में से 41 सीटों पर रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रम्प की कुछ नीतियों से असहमति जता रहे हैं या उनसे दूरी बनाकर चल रहे हैं। ये उम्मीदवार ट्रम्प की सभी नीतियों का विरोध नहीं कर रहे। वे कुछ मुद्दों पर उनसे अलग राय रखकर उन लोगों का समर्थन हासिल करना चाहते हैं, जो किसी पार्टी के पक्के समर्थक नहीं हैं। इन उम्मीदवारों के सामने मुश्किल यह है कि ट्रम्प के करीब रहने पर उनकी गिरती लोकप्रियता का नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं, उनसे ज्यादा दूरी बनाने पर ट्रम्प के वफादार समर्थक नाराज हो सकते हैं। संसद में बहुमत खोने पर ट्रम्प को क्या नुकसान होगाः-अगर डेमोक्रेटिक पार्टी कांग्रेस के एक या दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लेती है, तो ट्रम्प के लिए अपने फैसलों को लागू करना मुश्किल हो सकता है। कांग्रेस में बजट, सरकारी खर्च और नए कानूनों से जुड़े अहम फैसले लिए जाते हैं। ऐसे में डेमोक्रेट्स के पास बहुमत होने पर वे ट्रम्प के प्रस्तावों को रोक सकते हैं और उनके प्रशासन के कामकाज की जांच भी बढ़ा सकते हैं। हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी के पास कुछ फायदे भी हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, पार्टी के पास चुनाव प्रचार पर खर्च करने के लिए मजबूत संसाधन हैं। इसके अलावा, डेमोक्रेटिक पार्टी के कुछ उम्मीदवारों को लेकर मध्यमार्गी मतदाताओं की चिंता भी रिपब्लिकन के पक्ष में जा सकती है।

मस्जिद में अश्लील हरकत करने पर पति-पत्नी को मौत की सजा मिली थी, बांग्लादेश बोला-सऊदी ने बिना बताए हमारे नागरिकों को फांसी दें दीं

ढाका। सऊदी अरब के गृह मंत्रालय के मुताबिक, दोनों को इस्लामी कानून के तहत 'ताजीर'

के नियमों के आधार पर मौत की सजा दी गई। ताजीर ऐसी सजा होती है, जिसकी गंभीरता तय करने का अधिकार न्यायाधीश के पास होता है। मंत्रालय ने कहा कि दोनों का अपराध गंभीर था और उन्होंने मस्जिद की पवित्रता का उल्लंघन किया था। इसी वजह से उन्हें मौत की सजा दी गई। सऊदी अरब में 30 लाख से ज्यादा बांग्लादेशी रहते हैंः-सऊदी अरब में 30 लाख से ज्यादा बांग्लादेशी रहते और काम करते हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है, जो कम वेतन वाली नौकरियां करते हैं। दोनों देशों के बीच धार्मिक और आर्थिक संबंध भी काफी मजबूत हैं। ऐसे में बांग्लादेशी नागरिकों को सजा दिए जाने के मामले में दोनों देशों के बीच जानकारी साझा किए जाने का सवाल अहम हो गया है। बांग्लादेश सरकार अब सऊदी अरब के जवाब का इंतजार कर रही है। सऊदी अरब में इस साल करीब 100 लोगों को फांसी-एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक, सऊदी अरब में इस साल अब तक करीब 100 लोगों को फांसी दी जा चुकी है। इनमें विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। कई विदेशी नागरिकों को नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में दोषी ठहराया गया था। इससे पहले 2011 में सऊदी अरब की राजधानी रियाद में आठ बांग्लादेशी पुरुषों को सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई थी। उन्हें मिस्र के एक नागरिक की हत्या का दोषी ठहराया गया था। फेसबुक पर टिप्पणी के मामले में श्रीलंकाई नागरिक की सजा रद्दः-इसी महीने सऊदी अरब ने श्रीलंका के एक नागरिक की मौत की सजा रद्द कर दी थी। उसे फेसबुक पर एक टिप्पणी करने के लिए धर्म का अपमान करने का दोषी ठहराया गया था। इस मामले को लेकर श्रीलंका में विरोध हुआ था। इसके बाद उस व्यक्ति को राहत दिलाने के लिए कूटनीतिक स्तर पर कोशिशें की गईं। आखिरकार, सऊदी अरब ने उसकी मौत की सजा रद्द कर दी।

ट्रम्प बोले- पेरिस जल्द मुस्लिम कंट्री बन जाएगा,मैक्रों को 8 साल पहले समझाया था

फ्रांस में हिंसा के लिए इमिग्रेशन नीति को जिम्मेदार ठहराया

पेरिस।हालांकि, हिंसा के लिए इमिग्रेशन कितना जिम्मेदार

है, यह अलग सवाल है। मैक्रों बोले- तोड़फोड़ करने वालों को कीमत चुकानी होगीः-राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हिंसक प्रदर्शन के बाद रविवार को सख्त कार्रवाई का वादा किया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने तोड़फोड़ और लूटपाट की है, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। मैक्रों ने माना कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले लोगों की कुछ मांगें जायज हो सकती हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की मांगों को हिंसा और तोड़फोड़ करने वालों की हरकतों के साथ नहीं जोड़ना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि फ्रांस के नागरिक अपने ही देश के खिलाफ ऐसी हरकतें कैसे कर सकते हैं।

मैक्रों को देश का सबसे कमजोर राष्ट्रपति माना जा रहाः-फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अपने राजनीतिक करियर के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। उनके विरोधी उन्हें अब तक का सबसे कमजोर राष्ट्रपति करार दे रहे हैं।

हाल ही में हुए एक सर्वे में सिर्फ 15फीसदी लोगों ने उनके प्रति सकारात्मक राय जताई, जबकि 82फीसदी लोगों ने उनके कामकाज पर नाराजगी जताई। महंगाई,

कमजोर अर्थव्यवस्था, बढ़ता सरकारी कर्ज और शिक्षा व दूसरी सरकारी सेवाओं को लेकर लोगों का गुस्सा बढ़ रहा है।

5 बड़ी वजहें- फ्रांस में बार-बार क्यों भड़कते हैं आंदोलन,पेंशन से लेकर महंगाई तक

पेरिस। फ्रांस दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। यहां आधुनिक शहर हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी सरकारी सुविधाओं का बड़ा तंत्र है। इसके बावजूद, सरकार के फैसलों को

लेकर यहां बार-बार बड़े आंदोलन होते हैं। कभी पेंशन में बदलाव के खिलाफ लाखों कर्मचारी हड़ताल पर चले जाते हैं, तो कभी ईंधन की कीमतें बढ़ने पर आम लोग सड़कों पर उतर आते हैं। अब स्कूलों की खराब हालत को लेकर शुरू हुआ छात्र आंदोलन महंगाई और सरकारी नीतियों के खिलाफ बड़े विरोध में बदल गया है। आखिर फ्रांस में किसी एक मुद्दे पर शुरू हुआ विरोध इतना बड़ा कैसे हो जाता है? इसके पीछे सिर्फ महंगाई नहीं, बल्कि लोगों की आर्थिक परेशानियां, सरकारी फैसलों से टकराव और राजनीतिक अस्थिरता भी है। इसकी 5 बड़ी वजहें समझिए? 5 बड़ी वजहेंः- 1. विरोध से सरकार को झुकाने का भरोसाः-फ्रांस में लोग अपनी मांगों के लिए सड़कों पर उतरते हैं, तो कई बार उनके साथ दूसरे वर्गों के लोग भी जुड़ जाते हैं। छात्रों का विरोध कर्मचारियों की हड़ताल में बदल सकता है और फिर इसका असर पूरे देश के कामकाज पर पड़ सकता है। मई 1968 में छात्रों से शुरू हुआ आंदोलन इसका बड़ा उदाहरण है। धीरे-धीरे इसमें मजदूर और कर्मचारी भी शामिल हो गए। करीब 70 लाख से 1 करोड़ तक कर्मचारियों के हड़ताल में शामिल होने के अनुमान मिलते हैं। कारखानों, परिवहन और सरकारी सेवाओं का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ। इस आंदोलन ने फ्रांस की राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था को हिलाकर रख दिया। 1995 में भी पेंशन सुधारों के खिलाफ कई हफ्तों तक हड़ताल चली। प्रधानमंत्री एलेन जुप्पे की सरकार की योजना के विरोध में रेलवे और दूसरे क्षेत्रों के कर्मचारी काम बंद करके सड़कों पर उतर आए। ट्रेनें और मेट्रो सेवाएं प्रभावित हुईं। आखिरकार सरकार को अपनी योजना के कई अहम हिस्से वापस लेने पड़े। इन घटनाओं ने फ्रांस में विरोध की ताकत को स्थापित किया। लोगों को यह भरोसा मिला कि अगर वे एकजुट होकर अपनी मांगें उठाएं, तो सरकार पर दबाव बनाया जा सकता है। हालांकि, हर आंदोलन में सरकार को पीछे हटना पड़े, ऐसा जरूरी नहीं है। 2. अमीर देश, लेकिन हर परिवार की जेब में पैसा नहींः-फ्रांस की अर्थव्यवस्था बड़ी है, लेकिन देश की कुल संपत्ति से यह पता नहीं चलता कि आम परिवार के पास कितना पैसा है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि वहां भी बड़ी संख्या में लोग आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। फ्रांस की सरकारी संस्था INSEE के मुताबिक, 2024 में देश की मुख्य भूमि में करीब 98 लाख लोग गरीबी रेखा से नीचे रह रहे थे। यह आबादी का 15.4फीसदी था। एक व्यक्ति के लिए गरीबी की सीमा 1,337 यूरो मासिक आय थी। यानी इस सीमा से कम आमदनी वाले लोगों को गरीबी की श्रेणी में रखा गया। संपत्ति का बंटवारा भी असमान है। सबसे अमीर 10फीसदी परिवारों के पास देश की कुल संपत्ति का करीब 48फीसदी हिस्सा है। वहीं, सबसे कम संपत्ति वाले आधे परिवारों के पास कुल संपत्ति का सिर्फ 7फीसदी हिस्सा है।

ऐसे में जब घर का किराया, बिजली, खाने-पीने की चीजें और ईंधन महंगा होता है, तो कम और मध्यम आमदनी वाले परिवारों का बजट बिगड़ जाता है। लोगों को लगता है कि उनकी कमाई रोजमर्रा के खर्च में ही खत्म हो रही है। 3. सरकारी फैसलों से लोगों की नाराजगी बढ़ीः-फ्रांस में पेंशन और नौकरी से जुड़े सरकारी फैसले अक्सर बड़े विवाद की वजह बनते हैं। इसकी वजह यह है कि ऐसे फैसलों का सीधा असर लोगों की कमाई, काम करने की उम्र और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा पर पड़ता है। 2023 में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की सरकार ने रिटायरमेंट की उम्र 62 से बढ़ाकर 64 साल करने का कानून लागू किया। सरकार का तर्क था कि लोगों के लंबे समय तक जीवित रहने और पेंशन पर बढ़ते खर्च के कारण व्यवस्था को लंबे समय तक चलाने के लिए सुधार जरूरी हैं।

लेकिन विरोध करने वालों को लगा कि अब उन्हें पेंशन पाने के लिए दो साल ज्यादा काम करना पड़ेगा। खासकर उन लोगों के लिए यह चिंता बड़ी थी, जिन्होंने कम उम्र में काम शुरू किया था या जो शारीरिक मेहनत वाले काम करते हैं। इस फैसले के खिलाफ देशभर में बड़े प्रदर्शन और हड़तालें हुईं। जब लोगों को लगता है कि सरकारी सुधारों का बोझ मुख्य रूप से कर्मचारियों और आम परिवारों पर पड़ रहा है, तो उनके विरोध की संभावना बढ़ जाती है। 4. स्कूलों की खस्ता हालत भी 2026 में आंदोलन की वजह बनीः-मौजूदा आंदोलन की शुरुआत स्कूलों की समस्याओं से हुई। छात्रों की शिकायत है कि कई स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, कक्षाओं में जरूरत से ज्यादा छात्र हैं और इमारतों व जरूरी सुविधाओं की हालत ठीक नहीं है। कुछ छात्रों ने पढ़ाई के लंबे समय और विश्वविद्यालयों में दाखिले की व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। छात्रों के लिए यह सिर्फ स्कूल की इमारत या शिक्षकों की कमी का मामला नहीं है। उन्हें चिंता है कि अगर उन्हें अच्छी शिक्षा नहीं मिली, तो आगे नौकरी और बेहतर भविष्य पाने के अवसर भी प्रभावित हो सकते हैं। लेकिन स्कूलों की समस्याओं का समाधान करने के लिए सरकार को पैसा खर्च करना पड़ता है। फ्रांस पर सरकारी कर्ज का दबाव भी बढ़ रहा है। जून 2026 के अंत में देश का सरकारी कर्ज उसकी जीडीपी के 119फीसदी के बराबर था। सरकार को शिक्षा के साथ अस्पतालों, पेंशन, रक्षा और दूसरी सार्वजनिक सेवाओं पर भी खर्च करना पड़ता है। ऐसे में बजट को लेकर फैसले लेना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। 5. राजनीतिक खींचतान से सरकार चलाना मुश्किलः-फ्रांस में 2024 के संसदीय चुनाव के बाद किसी भी दल या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। संसद में वामपंथी दलों, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के समर्थकों और दक्षिणपंथी दलों के बीच सीटें बंट गईं। इससे सरकार के लिए बजट और दूसरी नीतियों को संसद से मंजूरी दिलाना मुश्किल हो गया। इसका असर सरकार की स्थिरता पर भी पड़ा। दिसंबर 2024 में सांसदों ने प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित कर दिया। सितंबर 2025 में प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू की सरकार भी बजट और सरकारी कर्ज घटाने की योजना पर हुए विवाद के बाद गिर गई। इसके बाद से बजट को लेकर राजनीतिक दलों के बीच खींचतान जारी रही। इस राजनीतिक खींचतान का असर आम लोगों की समस्याओं पर भी पड़ता है। जब दल सरकारी खर्च, कर और बजट में कटौती पर सहमत नहीं हो पाते, तो शिक्षा, स्वास्थ्य और दूसरी सार्वजनिक सेवाओं को लेकर फैसले अटक जाते हैं।

अगले 5 साल में जंग छिड़ सकती है वो भी अंतरिक्ष में,इससे इंटरनेट, बैंकिंग जैसी सुविधा पर असर पड़ेगा

वॉशिंगटन। अमेरिका ने 2019 में अपनी अंतरिक्ष सेना बनाई

थी।इसका काम अमेरिकी सैटेलाइट की सुरक्षा करना और अंतरिक्ष में दूसरे देशों की सैन्य गतिविधियों पर नजर रखना है। 4 देश सैटेलाइट को मिसाइल से नष्ट करने की क्षमता का परीक्षण कर चुकेः-दुनिया के कुछ ताकतवर देश सैटेलाइट को नष्ट करने वाली मिसाइलों का परीक्षण भी कर चुके हैं। इनमें शामिल हैंः-अमेरिका - 2008 में मिसाइल से अपने खराब जासूसी सैटेलाइट को नष्ट किया। चीन - 2007 में मिसाइल से अपना मौसम संबंधी सैटेलाइट नष्ट किया।

भारत - 27 मार्च 2019 को 'मिशन शक्ति' के तहत परीक्षण किया।

रूस - 15 नवंबर 2021 को मिसाइल से अपने पुराने सैटेलाइट को नष्ट किया। अंतरिक्ष में हमला किस तरीके से हो सकता हैः- जीपीएस के सिग्नल रोककर- सैटेलाइट से मिलने वाले सिग्नल की मदद से मोबाइल, विमान और जहाज अपनी लोकेशन पता करते हैं। अगर कोई देश इन सिग्नल को रोक दे, तो मोबाइल में सही लोकेशन नहीं दिखेगी। विमानों और जहाजों को भी अपनी सही जगह और रास्ता पता करने में परेशानी हो सकती है।

युद्ध के दौरान ऐसा करके दूसरे देश की सेना के लिए रास्ता तय करना और अपनी लोकेशन पता करना मुश्किल बनाया जा सकता है।

गलत लोकेशन बताकरः- इस तरीके में नकली सिग्नल भेजकर मोबाइल, विमान या जहाज को उसकी गलत लोकेशन बताई जाती है।

इसे स्पूफिंग कहते हैं। उदाहरण के लिए, कोई जहाज समुद्र में एक जगह मौजूद है, लेकिन नकली सिग्नल की वजह से उसके सिस्टम में दूसरी जगह दिखाई देने लगती है।

इससे जहाज का रास्ता तय करना मुश्किल हो सकता है। सैटेलाइट को चलाने वाले कंप्यूटर पर हमला करकेः- सैटेलाइट को जमीन पर मौजूद केंद्रों से नियंत्रित किया जाता है। हैकर इन केंद्रों के कंप्यूटर सिस्टम पर हमला कर सकते हैं।इससे सैटेलाइट से संपर्क टूट सकता है, जरूरी जानकारी चोरी हो सकती है या उसका कामकाज प्रभावित हो सकता है।

कनाडा से अलग होने पर आज अल्बर्टा में वोटिंग,70फीसदी लोग साथ रहने के पक्ष में

ओटावा। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में 19 अक्टूबर को जनमत संग्रह हो रहा है। इसमें लोग तय करेंगे कि प्रांत को कनाडा का हिस्सा बने रहना चाहिए या नहीं।इप्सोस-ग्लोबल न्यूज के सर्वे में अल्बर्टा के करीब 70फीसदी लोग कनाडा के साथ बने रहने के पक्ष में हैं। इसके बावजूद अलग देश बनाने की मांग करने वाले लोग पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। अल्बर्टा में अलग देश बनाने की मांग कोई नई बात नहीं है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह तेल से होने

वाली कमाई और केंद्र सरकार के साथ पैसों के बंटवारे को लेकर नाराजगी है। अल्बर्टा में तेल का चौथा सबसे बड़ा भंडारः-अल्बर्टा में दुनिया के प्रमाणित तेल भंडार के मामले में चौथा सबसे बड़ा भंडार है। यहां का तेल उद्योग, रोजगार और कमाई का बड़ा जरिया है। अलग देश बनाने के समर्थकों का कहना है कि अल्बर्टा केंद्र सरकार को बहुत पैसा देता है, लेकिन उसे बदले में उतना फायदा नहीं मिलता। उनका आरोप है कि प्रांत की कमाई का इस्तेमाल कनाडा के दूसरे हिस्सों की मदद के लिए किया जाता है। वर्ष 2015 में जस्टिन ट्रूडो के प्रधानमंत्री बनने के बाद यह विवाद फिर बढ़ा। उनकी सरकार ने कार्बन टैक्स और प्रदूषण घटाने के लिए कई नियम लागू किए। अल्बर्टा के तेल उद्योग से जुड़े लोगों ने इनका विरोध किया। उनका मानना था कि इन नियमों से तेल का कारोबार प्रभावित होगा। क्या वोटिंग के बाद अल्बर्टा अलग देश बन जाएगा? नहीं। इस जनमत संग्रह में लोगों से सीधे यह फैसला नहीं कराया जा रहा कि अल्बर्टा तुरंत अलग देश बने या नहीं। उनसे पूछा जा रहा है कि क्या अलग होने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। लोगों के सामने दो विकल्प हैं- 1. कनाडा का हिस्सा बने रहना-2. भविष्य में अलग होने पर फैसला लेने के लिए जनमत संग्रह की प्रक्रिया शुरू करनाः-अगर लोग दूसरे विकल्प के पक्ष में वोट देते हैं, तब भी अल्बर्टा तुरंत अलग देश नहीं बन जाएगा। इसके लिए कनाडा की केंद्र सरकार, दूसरे प्रांतों और वहां रहने वाले मूल निवासी समुदायों के साथ बातचीत करनी होगी। अलग होने की स्थिति में कई सवालों पर फैसला लेना होगा। इनमें संसाधनों का बंटवारा, अधिकार और कनाडा के साथ भविष्य के रिश्ते शामिल हैं। प्रधानमंत्री कार्नी अल्बर्टा के हैं, अलग के पक्ष में नहींः-कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी खुद अल्बर्टा में पले-बढ़े हैं। वे भी मानते हैं कि प्रांत के लोगों में नाराजगी है। हालांकि, वे अल्बर्टा को कनाडा से अलग करने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने लोगों को आगाह किया है कि वे अलग होने के पक्ष में वोट न करें। ऐसा फैसला देश में लंबे समय तक राजनीतिक खींचतान और अनिश्चितता पैदा कर सकता है। कार्नी ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण अल्बर्टा के कई लोगों को ऐसा लगता है, जैसे उनके अपने संसाधन भी उनके नहीं हैं। हालांकि सरकार अल्बर्टा के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री अलग होने के खिलाफ फिर जनमत संग्रह क्यों करा रहीं? अल्बर्टा के मुख्यमंत्री डेनियल स्मिथ ने पिछले साल जनमत संग्रह कराने की प्रक्रिया आसान कर दी थी। इसके बाद आजादी का मुद्दा राज्य की राजनीति में और चर्चा में आ गया। हालांकि, स्मिथ खुद अल्बर्टा को कनाडा से अलग करने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे अलग होने के खिलाफ वोट दे रही हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इस जनमत संग्रह के पीछे स्मिथ की अपनी पार्टी की राजनीति भी है। उनकी पार्टी में कई लोग अल्बर्टा को अलग देश बनाने के पक्ष में हैं। स्मिथ जनमत संग्रह के जरिए अपनी ही पार्टी के नेताओं और समर्थकों के बीच चल रहे मतभेदों को सुलझाना चाहती हैं। जनमत संग्रह के अलावा 9 और सवाल पूछे जा रहेः-अल्बर्टा में सिर्फ आजादी के मुद्दे पर ही वोटिंग नहीं हो रही है। लोगों से कुल 10 सवालों पर राय मांगी जा रही है। 1. अल्बर्टा की आजादीः क्या अल्बर्टा को कनाडा से अलग होकर स्वतंत्र देश बन जाना चाहिए? 2. प्रवासियों की संख्याः क्या अल्बर्टा सरकार को प्रांत में आने वाले प्रवासियों की संख्या सीमित करने का अधिकार मिलना चाहिए? 3. स्थानीय लोगों को प्राथमिकताः क्या नौकरियों में अल्बर्टा के लोगों को बाहर से आने वाले लोगों के मुकाबले प्राथमिकता दी जानी चाहिए? 4. स्वास्थ्य सेवाओं पर अलग नियमः क्या अस्थायी रूप से रहने वाले लोगों को सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए अलग नियम बनाए जाने चाहिए? 5. शिक्षा की सुविधाएंः क्या अस्थायी रूप से रहने वाले लोगों के बच्चों को सरकारी शिक्षा देने पर कुछ पाबंदियां लगाई जानी चाहिए? 6. सरकारी आर्थिक मददः क्या सरकारी आर्थिक सहायता और दूसरी सुविधाएं पाने के लिए लोगों के लिए अल्बर्टा में कम से कम 12 महीने रहना जरूरी होना चाहिए? 7. वोट देने के लिए पहचान पत्रः क्या प्रांतीय चुनाव में वोट देने वालों के लिए नागरिकता का सबूत दिखाना जरूरी होना चाहिए? 8. प्रांतों को जज चुनने का अधिकारः क्या अल्बर्टा और दूसरे प्रांतों को अपनी अदालतों के जज चुनने का अधिकार मिलना चाहिए? 9. कनाडा की सीनेट खत्म करनाः क्या देश की संसद के ऊपरी सदन सीनेट को खत्म कर देना चाहिए? 10. प्रांतों को ज्यादा अधिकारः क्या स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मामलों में प्रांतीय सरकारों को केंद्र सरकार के मुकाबले ज्यादा अधिकार मिलने चाहिए? मुख्यमंत्री स्मिथ ने पहले प्रस्ताव के खिलाफ और बाकी नौ प्रस्तावों का समर्थन करने की अपील की है। उनका कहना है कि इससे केंद्र सरकार के साथ बातचीत में अल्बर्टा को ज्यादा ताकत मिलेगी। ट्रम्प सरकार पर अलगाववादियों को बढ़ावा देने का आरोपः-ट्रम्प सरकार पर अलग देश की मांग कर रहे लोगों को बढ़ावा देने का आरोप है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका के अधिकारी अल्बर्टा के अलगाववादी नेताओं से मिलते हैं और उनकी मदद करते हैं। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प की सत्ता में वापसी को अलगाववादी अल्बर्टा को अलग करने के लिए सही समय मान रहे हैं। कुछ अलगाववादी अल्बर्टा को स्वतंत्र देश बनाने की बजाय अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात भी कर रहे हैं। फरवरी में कैलगरी और एडमॉन्टन के बीच हाईवे पर एक बिलबोर्ड भी लगा, जिसमें अल्बर्टा को यूएसए में मिलाने की अपील की गई थी।

अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बैसेंट ने भी इसी साल जनवरी में ऐसा संकेत दिया था। उन्होंने कहा था कि अल्बर्टा के पास बहुत सारे प्राकृतिक संसाधन हैं और वह अमेरिका का स्वाभाविक साझेदार है। उन्होंने यह भी कहा कि अल्बर्टा के लोग स्वतंत्र सोच वाले हैं और ऐसी चर्चा है कि वहां के लोग कनाडा में बने रहने या अलग होने पर जनमत संग्रह करा सकते हैं।

टाइगर श्रॉफ को मिली पुलिस सुरक्षा,रैपिडो ने कहा- घटना वाले दिन आरोपी ऋतिक ने ग्राहक बनकर ली थी सेवा

मुंबई। टाइगर श्रॉफ को फायरिंग की घटना के बाद पुलिस सुरक्षा दी गई है। मुंबई पुलिस

की प्रोटेक्शन ब्रांच ने टाइगर की सुरक्षा के लिए बॉडीगार्ड तैनात किए हैं। वहीं, स्थानीय पुलिस स्टेशन की ओर से एक पुलिस अधिकारी और अतिरिक्त जवानों को भी उनकी सुरक्षा में लगाया गया है। फायरिंग केस में दो और लोग हिरासत में:- मिली जानकारी के मुताबिक, टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले में हरियाणा के सोनीपत निवासी रेहान की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके दो दोस्तों, समीर और बोनी को भी हिरासत में लिया है। समीर, रेहान का पड़ोसी भी रह चुका है। हालांकि, सोनीपत पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। रेहान की मां शमशीदा का कहना है कि पुलिस दोनों को अपने साथ ले गई है। इससे पहले तीनों आरोपियों को राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था। बताया गया था कि वे नेपाल भागने की तैयारी कर रहे थे। इनमें 22 साल का ऋतिक बिहार के बेगूसराय का रहने वाला है। उसके पिता का नाम रामू महतो है। वह मुंबई के अंधेरी वेस्ट में उर्दू स्कूल के पास रहता था और रैपिडो बाइक चलाता था। दूसरा आरोपी 18 साल का रेहान है। वह हरियाणा के सोनीपत में सदर थाना क्षेत्र की ईदगाह कॉलोनी का रहने वाला है। उसके पिता का नाम रशीदुद्दीन अंसारी है। तीसरा आरोपी 17 साल का नाबालिग है, जो हरियाणा के सोनीपत जिले का रहने वाला है। इससे पहले इस मामले में तीन आरोपियों को राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था।ऋतिक को लेकर रैपिडो ने दी सफाई:-टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले में रैपिडो ने अपने प्लेटफॉर्म से जुड़े ऋतिक को लेकर सफाई दी है। कंपनी ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा कि टाइगर श्रॉफ और उनकी टीम के साथ हुई घटना से वह चिंतित है। कंपनी ने टाइगर के सुरक्षित होने पर राहत जताई और उनके जल्द ठीक होने की कामना की। रैपिडो ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स में जिस व्यक्ति के कंपनी के कैप्टन के तौर पर रजिस्टर्ड होने का जिक्र है, वह 14 अक्टूबर से प्लेटफॉर्म पर एक्टिव नहीं था। घटना वाले दिन उसने रैपिडो की सेवाओं का इस्तेमाल ग्राहक के तौर पर किया था। कंपनी के मुताबिक, गिग इकोनॉमी में लोग एक साथ कई प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर्ड हो सकते हैं। रैपिडो ने बताया कि वह जांच एजेंसियों के संपर्क में है और मांगी गई सभी जानकारी दे चुका है। वहीं, जैकी श्रॉफ सोमवार को मुंबई में दिवंगत गायक और संगीतकार बप्पी लाहिड़ी के सम्मान में रखे गए 'बप्पी लाहिड़ी मार्ग' के नामकरण और अनावरण समारोह में शामिल हुए। उनके बेटे टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग की घटना के अगले ही दिन यह जैकी श्रॉफ की पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी:- कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और सुनील शेट्ठी भी शामिल हुए। इस दौरान सुनील शेट्ठी ने टाइगर श्रॉफ पर हुई फायरिंग की घटना पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'पूरी दुनिया टाइगर और जैकी दादा से प्यार करती है। अगर उनके साथ ऐसा हो सकता है, तो किसी के साथ भी ऐसा हो सकता है। ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए था।' सुनील ने कहा कि जैकी श्रॉफ उनके बचपन के दोस्त हैं। उन्हें राहत है कि टाइगर ठीक हैं। फायरिंग की घटना में टाइगर के ड्राइवर को चोट लगी थी और वह फिलहाल ठीक हो रहे हैं।

टाइगर की हत्या करने पहुंचे थे शूटर,कोटा से तीनों गिरफ्तार, एक बिहार, 2 हरियाणा के; दावा- लॉरेंस गैंग ने कॉन्ट्रैक्ट दिया-मुंबई पुलिस

मुंबई। एक्टर टाइगर श्रॉफ पर हमले को लेकर मुंबई पुलिस ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मुंबई पुलिस के डीसीपी ने बताया

कि, जिस तरह से गोलियां चलाईं गईं। आरोपी मर्डर के प्लान से ही आए थे। उधर टाइगर की कार पर फायरिंग करने वाले हमलावर 15 घंटे में राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन से पकड़े गए। टाइगर पर रविवार शाम 7 बजे हमला किया गया था। आरोपी जयपुर, दिल्ली के रास्ते नेपाल भागने की तैयारी में थे। मुंबई पुलिस से सूचना मिलने के बाद कोटा पुलिस ने सुबह 10:30 बजे रेलवे स्टेशन से पकड़ा। कोटा की एसपी तेजस्विनी गौतम के मुताबिक, तीनों पुणे-जयपुर एक्सप्रेस से जयपुर जा रहे थे। जनरल कोच में हिरासत में लिया गया। इनके पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है। पुलिस के मुताबिक, लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने हमला करने का कॉन्ट्रैक्ट दिया था। अनिल ने वीडियो जारी कर इसकी जिम्मेदारी ली। टाइगर को गोली नहीं लगी, लेकिन उनके बाएं हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोट आई है। फायरिंग में उनके ड्राइवर को भी चोट लगी है। पुलिस बोली- तीनों में कोई भी आरोपी नाबालिग नहीं:-राजस्थान पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए तीनों संदिग्धों में दो हरियाणा और एक बिहार का रहने वाला है। इनमें हरियाणा के सोनीपत का रेहान और बिहार के बेगूसराय का ऋतिक कुमार उर्फ रोशन शामिल हैं। पहले तीसरे आरोपी के नाबालिग होने की बात सामने आई थी। पुलिस ने इससे इनकार किया। पुलिस अब इसे पूछताछ कर हमले की साजिश और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। मुंबई पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, आरोपी करीब 10 दिनों से टाइगर श्रॉफ पर नजर रख रहे थे। उन्होंने उनके घर और जिम की भी रेकी की थी। फायरिंग से पहले आरोपियों ने 45 मिनट तक उस इलाके को जाना था। वे सोशल मीडिया पर पापराजी के वीडियो और ब्लॉगर्स के कंटेंट से भी टाइगर की लोकेशन और दिनचर्या की जानकारी जुटा रहे थे। रविवार को फायरिंग के बाद आरोपी मुंबई में एसवी रोड से विले पार्ले और अंधेरी की ओर भागे। उन्होंने अंधेरी वेस्ट रेलवे स्टेशन के पास अपनी बाइक छोड़ दी और ट्रेन में सवार हो गए। पुलिस ने बाइक बरामद कर ली थी। हमलावर अनिल पंडित के संपर्क में था:-राजस्थान पुलिस के मुताबिक, शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि हरियाणा के रेहान का संपर्क अमेरिका में रह रहे अनिल पंडित से था। अनिल पंडित को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताया जा रहा है। फायरिंग के बाद सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो क्लिप के जरिए अनिल पंडित ने हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया। उसने सलमान खान को भी धमकी दी और उनसे लॉरेंस बिश्नोई से माफी मांगने को कहा। पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो क्लिप को वेरिफाई कर रही है।

क्या आप एसेंशियल ऑयल यूज करती हैं करते हैं,तो न करें ये 10 गलतियां,जानें सही इस्तेमाल और 10 जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली। सोशल मीडिया पर अक्सर एसेंशियल ऑयल्स के इस्तेमाल से जुड़े वीडियो वायरल होते रहते हैं। कोई इन्हें

बालों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करने की सलाह देता है, तो कोई त्वचा को चमकदार बनाने और तनाव कम करने के लिए। इन वीडियो और घरेलू नुस्खों को देखकर कई लोग एसेंशियल ऑयल्स का इस्तेमाल शुरू कर देते हैं। नेचुरल चीजों से बने होने के कारण लोग इन्हें पूरी तरह सुरक्षित मान लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनका गलत तरीके से इस्तेमाल फायदे की बजाय नुकसान पहुंचा सकता है? दरअसल, एसेंशियल ऑयल्स बहुत ज्यादा गाढ़े और कंसंट्रेटेड होते हैं। इन्हें सीधे स्किन पर लगाने, जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने या बिना सही जानकारी के उपयोग करने से स्किन में जलन, एलर्जी, सिरदर्द और दूसरी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में एसेंशियल ऑयल्स खरीदने से लेकर इस्तेमाल करने और स्टोर करने तक कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में हम एसेंशियल ऑयल्स के सही इस्तेमाल के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-एसेंशियल ऑयल्स के इस्तेमाल में लोग कौन-सी आम गलतियां करते हैं? एसेंशियल ऑयल खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. संदीप अरोड़ा, सीनियर कंसल्टेंट, डर्मेटोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- एसेंशियल ऑयल क्या है? जवाब- एसेंशियल ऑयल लैवेंडर, पेपरमिंट, टी ट्री, यूकेलिप्टस और रोजमेरी जैसे पौधों के फूलों, पत्तियों, छाल, जड़ों या फलों से निकाले जाने वाले खास तरह के तेल होते हैं। इनमें पौधों की खास खुशबू और कुछ प्राकृतिक तत्व मौजूद होते हैं। ये तेल काफी गाढ़े होते हैं, इसलिए इन्हें इस्तेमाल करने का सही तरीका जानना जरूरी है। सवाल- एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल अमूमन किन कामों में किया जाता है? जवाब- इनका इस्तेमाल मुख्य रूप से अरोमाथेरेपी, कमरे में खुशबू फैलाने, मसाज और स्किन व बालों की देखभाल के लिए किया जाता है। हर एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल एक जैसा नहीं होता। इसलिए इसके उपयोग से पहले सही जानकारी लेना और उचित सावधानियां बरतना जरूरी है। एसेंशियल ऑयल का इस्तेमालः-अरोमा थेरेपी रिलैक्सेशन के लिए। मसाज- बॉडी मसाज के लिए। 'कॉस्मेटिक्स फेशियल मसाज के लिए। नहाने में खुशबू के लिए। रूम फ्रेशनर कमरे में खुशबू के लिए। हेयर केयर बालों की देखभाल में। सवाल- सबसे पॉपुलर एसेंशियल ऑयल कौन-से हैं? जवाब- बाजार में कई तरह के एसेंशियल ऑयल्स मिलते हैं। इनमें कुछ तेल अपनी खुशबू और अलग-अलग इस्तेमाल के कारण काफी लोकप्रिय हैं, जैसेकि- लैवेंडर ऑयल, पेपरमिंट ऑयल, टी ट्री ऑयल, यूकेलिप्टस ऑयल, लेमनग्रास ऑयल, रोजमेरी ऑयल, फ्रैंकिंसेंस ऑयल, जैस्मिन ऑयल, कैमोमाइल ऑयल सवाल- इनमें से कौन-सा एसेंशियल ऑयल किस काम आता है? जवाब- अलग-अलग एसेंशियल ऑयल्स का इस्तेमाल उनकी खुशबू और गुणों के आधार पर अलग-अलग कामों के लिए किया जाता है, जैसेकि- लैवेंडर ऑयल- रिलैक्सेशन और अरोमाथेरेपी के लिए। पेपरमिंट ऑयल- ताजगी और ठंडक के एहसास के लिए। टी ट्री ऑयल- स्किन केयर के लिए। यूकेलिप्टस ऑयल- अरोमाथेरेपी के लिए। लेमनग्रास ऑयल- खुशबू और अरोमाथेरेपी के लिए। रोजमेरी ऑयल- हेयर और स्किन केयर के प्रोडक्ट्स में। फ्रैंकिंसेंस ऑयल- अरोमाथेरेपी और स्किन केयर के प्रोडक्ट्स में। जैस्मिन ऑयल- खुशबू और अरोमाथेरेपी के लिए। कैमोमाइल ऑयल- रिलैक्सेशन और अरोमाथेरेपी के लिए। सवाल- एसेंशियल ऑयल के इस्तेमाल में लोग क्या कॉमन गलतियां करते हैं? जवाब- इस दौरान लोग कई छोटी-छोटी गलतियां करते हैं, जो त्वचा में जलन, एलर्जी और दूसरी परेशानियों की वजह बन सकती हैं। एसेंशियल ऑयल से जुड़ी कॉमन गलतियांः- गलत तरीके से स्टोर करना। सीधे स्किन पर लगाना। एक्सपायर्ड ऑयल यूज करना। सेंसिटिव जगहों पर लगाना। ज्यादा मात्रा में यूज करना। एसेंशियल ऑयल पीना। लंबे समय तक डिफ्यूजर में डालना। छोटे बच्चों के लिए यूज करना। कई एसेंशियल ऑयल मिक्स करना। फोटोटॉक्सिक सिट्रस ऑयल लगाकर धूप में जाना। गलती 1ः सीधे स्किन पर लगाना क्यों गलत है? एसेंशियल ऑयल बहुत कंसंट्रेटेड होते हैं, सीधे लगाने से जलन या एलर्जी हो सकती है। सेंसिटिव स्किन पर रेडनेस, खुजली या रैश की समस्या हो सकती है। क्या करें? इसे कैरियर ऑयल में उचित मात्रा में मिलाकर लगाएं। पहली बार इस्तेमाल से पहले पैच टेस्ट करें। गलती 2ः सेंसिटिव जगहों पर लगाना-क्यों गलत है? आंख, होंठ, नाक के अंदर या प्राइवेट पार्ट्स पर लगाने से तेज जलन हो सकती है। यहां की स्किन ज्यादा सेंसिटिव होती है, इसलिए रिएक्शन का रिस्क होता है। क्या करें? संवेदनशील जगहों पर एसेंशियल ऑयल न लगाएं। गलती से आंख में चला जाए तो तुरंत साफ पानी से धोएं। गलती 3ः ज्यादा मात्रा में यूज करना-क्यों गलत है? इससे स्किन इरिटेशन और एलर्जी का रिस्क होता है। तेज खुशबू से सिरदर्द या बेचैनी भी हो सकती है। क्या करें? हमेशा सीमित मात्रा में इस्तेमाल करें। लेबल पर दिए डाइल्यूशन (पतला करने की प्रक्रिया) निर्देशों का पालन करें। गलती 4ः एसेंशियल ऑयल पीना क्यों गलत है? एसेंशियल ऑयल आमतौर पर पीने के लिए नहीं होता है।

इससे मुंह, पेट या शरीर के दूसरे हिस्सों पर गंभीर साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। क्या करें? इसे कभी-भी पीने की गलती न करें। बच्चों की पहुंच से हमेशा दूर रखें। गलती 5ः छोटे बच्चों के लिए यूज करना क्यों गलत है? बच्चों और शिशुओं की स्किन ज्यादा सेंसिटिव होती है। कुछ एसेंशियल ऑयल बच्चों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। क्या करें? बिना डॉक्टर की सलाह के इस्तेमाल न करें। गलती 6ः लंबे समय तक डिफ्यूजर में यूज करना क्यों गलत है? लंबे समय तक डिफ्यूज करने से सिरदर्द या सांस लेने में परेशानी हो सकती है। सेंसिटिव लोगों में एलर्जी या इरिटेशन हो सकता है। क्या करें? डिफ्यूजर को सीमित समय के लिए चलाएं। कमरे में पर्याप्त वेंटिलेशन रखें। गलती 7ः कई एसेंशियल ऑयल मिक्स करना क्यों गलत है? कई ऑयल मिलाने से कुल कंसंट्रेशन ज्यादा हो सकता है। इससे स्किन रिएक्शन, एलर्जी हो सकती है। क्या करें? बिना जानकारी के कई ऑयल को एक साथ मिक्स न करें। ब्लेंड बनाते समय हर ऑयल की सुरक्षित मात्रा का ध्यान रखें। गलती 8ः एक्सपायर्ड ऑयल यूज करना क्यों गलत है? समय के साथ ऑयल ऑक्सीडाइज होकर अपनी क्वालिटी खो देता है। ऐसे ऑयल से स्किन पर इरिटेशन का रिस्क होता है। क्या करें? एक्सपायरी डेट के बाद ऑयल इस्तेमाल न करें। रंग, गंध या टेक्सचर बदलने पर भी इसे इस्तेमाल न करें। गलती 9ः गलत तरीके से स्टोर करना क्यों गलत है? ढक्कन खुला रखने से हवा के संपर्क में आकर ऑयल ऑक्सीडाइज हो सकता है। गर्मी और तेज रोशनी से ऑयल जल्दी खराब हो सकता है। क्या करें? इसे ठंडी, सूखी और ठंडी जगह पर रखें। इस्तेमाल के बाद बोतल का ढक्कन अच्छी तरह बंद करें। गलती 10ः फोटोसेंसिटिव सिट्रस ऑयल लगाना क्यों गलत है? कुछ सिट्रस ऑयल लगाने के बाद धूप में स्किन ज्यादा सेंसिटिव हो जाती है। इससे रेडनेस, जलन या सनबर्न का रिस्क बढ़ता है। क्या करें? इस्तेमाल से पहले लेबल पर फोटोसेंसिटिविटी की चेतावनी देखें। ऐसे ऑयल लगाने के बाद धूप में जाने से बचें। एसेंशियल ऑयल नेचुरल होते हैं। ये पूरी तरह सेफ भी हैं, लेकिन याद रखें कि ये सरसों या नारियल का तेल नहीं हैं कि ज्यादा भी लगा लिया तो कोई नुकसान नहीं। ये बहुत कंडेंस होते हैं। इसलिए संभलकर ही यूज करें। सवाल- एसेंशियल ऑयल इस्तेमाल करने का सही तरीका क्या है? जवाब- एसेंशियल ऑयल के इस्तेमाल से पहले लेबल पर दिए निर्देशों का पालन करना जरूरी है। एसेंशियल ऑयल यूज के 10 टिप्सः- सीधे कंडेंस फॉर्म में यूज न करें। पानी या दूसरे ऑयल में मिलाएं। लगाने से पहले पैच टेस्ट करें। दिए गए निर्देशों का पालन करें। कमरे में वेंटिलेशन का ध्यान रखें। यूज के बाद अच्छी तरह बंद करें। बच्चों की पहुंच से दूर रखें। सेंसिटिव हिस्सों पर न लगाएं। बोतल को ठंडी, सूखी जगह रखें। रिएक्शन हो तो यूज बंद करें। सवाल- एसेंशियल ऑयल खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- इस दौरान सिर्फ खुशबू या कीमत देखने की बजाय क्वालिटी, लेबल और इस्तेमाल की जानकारी जरूर पढ़ें-ऑयल खरीदने के 7 टिप्सः- एसेंशियल खुली बोतल वाला न खरीदें। इंग्रीडिएंट्स लिस्ट देखें। एक्सपायरी डेट देखें। कंपनी डिटेल्स चेक करें। पैकिंग सील चेक करें। बहुत सस्ता ऑयल न लें। नोटः खरीदने के बाद बोतल खोलने पर अगर आपको स्मेल अजीब लग रही है तो उस ऑयल को या तो रिटर्न कर दें या फेंक दें। यूज न करें। सवाल- एसेंशियल ऑयल का पैच टेस्ट कैसे करें? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- पहले एसेंशियल ऑयल को निर्देश के अनुसार डाइल्यूट करें। इसे हाथ में थोड़ी मात्रा में लगाकर 24 घंटे तक देखें। रेडनेस, खुजली या जलन न हो तो इस्तेमाल कर सकते हैं। सवाल- किन लोगों को एसेंशियल ऑयल यूज करते हुए ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए? जवाब- कुछ लोगों को एसेंशियल ऑयल के इस्तेमाल से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए, जैसेकि- जिनकी स्किन सेंसिटिव है। जिन्हें एलर्जी की समस्या है। जिन्हें अस्थमा या सांस की समस्या है। जिनकी रेगुलर दवा चल रही है। जिन्हें गंभीर हेल्थ कंडीशन है। (जैसे किडनी डिजीज, हार्ट डिजीज) प्रेग्नेंट और ब्रेस्टफीड कराने वाली महिलाएं। सवाल- कौन-से संकेत दिखें तो एसेंशियल ऑयल का यूज बंद कर देना चाहिए? जवाब- एसेंशियल ऑयल यूज करने के बाद शरीर में कोई असामान्य प्रतिक्रिया दिखे तो इसका इस्तेमाल तुरंत बंद कर दें, जैसेकि- स्किन पर रेडनेस, रैशेज खुजली, जलन सूजन, दर्द सिरदर्द, चक्कर सांस लेने में परेशानी सवाल- एसेंशियल ऑयल से एलर्जी या स्किन रिएक्शन हो तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में तुरंत कुछ कदम उठाएं- एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल बंद करें। प्रभावित हिस्से को साबुन-पानी से धोएं। खुजली या जलन वाली जगह रगड़ें नहीं। लक्षण बढ़ें तो डॉक्टर से संपर्क करें। सवाल- अगर एसेंशियल ऑयल आंखों में चला जाए तो क्या करें? जवाब- ऐसे में कुछ बातों का ध्यान रखें- कॉन्टैक्ट लेंस पहने हों तो तुरंत निकालें। 15-20 मिनट तक साफ पानी से आंख धोएं। आंख को बिल्कुल भी रगड़ें नहीं। दर्द, रेडनेस या धुंधलापन हो तो डॉक्टर से संपर्क करें। सवाल- अगर बच्चा गलती से एसेंशियल ऑयल पी ले तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में तुरंत ये कदम उठाएं- उल्टी कराने की कोशिश न करें। बच्चे को तुरंत कुल्ला कराएं। ऑयल की बोतल संभालकर रखें, ताकि डॉक्टर को उसकी डिटेल दे सकें। तुरंत डॉक्टर या नजदीकी अस्पताल से संपर्क करें।

अनूप जलोटा बोले- सलमान बिश्नोई समाज से माफी मांगें,टाइगर पर फायरिंग के बाद कहा- नहीं तो ये तकलीफें और लोगों को आती रहेंगा

मुंबई। भजन गायक अनूप जलोटा ने टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग के बाद सलमान खान से बिश्नोई समाज से माफी मांगने को कहा है। मुंबई के जुहू इलाके में रविवार शाम अज्ञात हमलावरों ने टाइगर की कार पर गोलीबारी की। फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग से जुड़े लोगों ने सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो मैसेज के जरिए लेने का दावा किया। आईएएनएस से बातचीत में अनूप जलोटा ने इस घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि ये सब चीजें रोकने का एक ही तरीका है कि सलमान खान बिश्नोई समाज से क्षमा मांग लें। मैंने पहले भी कहा था, ये बहुत जरूरी है कि बिश्नोई समाज को जो ठेस पहुंची है, वह तभी ठीक होगी, जब सलमान खान क्षमा मांगें। उन्होंने आगे कहा, 'नहीं तो ये तकलीफें और लोगों को आती रहेंगी। जो लोग सलमान खान के साथ काम करेंगे, उनको तकलीफें आएंगी। उनके परिवार को भी तकलीफें आएंगी। तो क्यों न एक बार कड़ा मन बनाकर सलमान खान बिश्नोई समाज से क्षमा मांग लें।' जुहू में टाइगर की कार पर फायरिंगः-रविवार शाम टाइगर श्रॉफ एक फुटबॉल मैच खेलकर लौट रहे थे। तभी

बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने उनकी कार पर गोली चला दी। टाइगर इस हमले में बाल-बाल बच गए। उनके ड्राइवर और एक फैन को गोली लगी। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई। घटना के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट और ऑडियो संदेश सामने आया। इनमें लॉरेंस गैंग से जुड़े होने का दावा करने वाले गैंगस्टर अनिल पंडित ने फायरिंग की जिम्मेदारी ली। इन संदेशों में सलमान खान से बिश्नोई समाज से माफी मांगने की मांग की गई। साथ ही, अभिनेता से जुड़े लोगों को धमकी देने की बात भी सामने आई। सलमान और लॉरेंस के बीच विवाद क्या है? दरअसल, सलमान खान और गैंगस्टर लॉरेंस के बीच विवाद की मुख्य वजह 1998 का काला हिरण शिकार मामला है। करीब 28 साल पुराने इस मामले को लेकर बिश्नोई समाज में नाराजगी रही है। इसी विवाद के चलते सलमान खान को कई बार धमकियां मिल चुकी हैं। 1998 में सलमान खान राजस्थान के जोधपुर में फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग कर रहे थे। इसी दौरान उन पर काले हिरणों के शिकार का आरोप लगा था। बिश्नोई समाज काले हिरण को पवित्र मानता है। समाज वन्यजीवों की रक्षा को अपनी धार्मिक आस्था का हिस्सा मानता है। सलमान से माफी की मांगः-लॉरेंस के चचेरे भाई रमेश बिश्नोई समेत बिश्नोई समाज से जुड़े कई लोगों का कहना है कि अगर सलमान खान समाज के धार्मिक स्थल मुकाम में जाकर माफी मांग लें, तो विवाद खत्म हो सकता है। हालांकि, सलमान खान के पिता सलीम खान पहले कह चुके हैं कि माफी मांगने का मतलब गलती स्वीकार करना होगा। उनके मुताबिक, सलमान ने ऐसा कोई अपराध नहीं किया है। 2018 में लॉरेंस ने दी थी धमकीः-साल 2018 में लॉरेंस ने जोधपुर कोर्ट में पेशी के दौरान सलमान को धमकी दी थी। इसके बाद सलमान की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई। अप्रैल 2024 में मुंबई के बांद्रा स्थित सलमान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर फायरिंग हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस के भाई अनमोल ने ली थी। अक्टूबर 2024 में सलमान के करीबी और पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या भी हुई। इसके बाद सलमान की सुरक्षा को लेकर सवाल उठे। टाइगर पर हुई फायरिंग की घटना के बाद गैंगस्टर लॉरेंस के चचेरे भाई रमेश बिश्नोई ने भी कहा कि बिश्नोई समाज या लॉरेंस की सलमान खान से कोई निजी दुश्मनी नहीं है। विवाद सिर्फ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का है।

उन्होंने सलमान को एक बार फिर गुरु जम्भेश्वर महाराज की समाधि पर आकर माफी मांगने की सलाह दी है। रमेश बिश्नोई ने कहा कि उन्हें यह समझ नहीं आता कि सलमान खान इतनी छोटी सी बात के लिए बार-बार कहने पर भी माफी क्यों नहीं मांग रहे हैं। वो इतने जिद्दी क्यों बने हुए हैं। माफी मांगने से कोई छोटा नहीं हो जाता। उन्होंने सलमान खान के परिवार से भी अपील की है कि अगर किसी धर्म की भावना आहत हुई है, तो माफी मांग लेना ही सही रास्ता है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चायन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।